Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
वेलकम इंडिया
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 298 | सोमवार, 02 नवम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

मोदी, शाह, ज्ञानेश वोट चोरी के जिम्मेदार, सबको मिलेगी सजा: राहुल

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर वोट चोरी के जरिए लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वोट चोरी करने वाले बच नहीं सकते और उनके खिलाफ कार्रवाई होगी और उनके किए की उन्हें जरूर सजा मिलेगी। श्री गांधी ने विपक्षी इंडिया गठबंधन की 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली को यहां रविवार को रामलीला मैदान में संबोधित करते हुए कहा कि श्री कुमार को मुख्य चुनाव आयुक्त के पद से हटाना विपक्ष का पहला लक्ष्य है और वह पद से हटेंगे तथा जेल जाएंगे। उन्होंने कहा, 'आप संविधान से बड़े नहीं हैं।' लंबे समय से वोट चोरी होने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश, हरियाणा, छत्तीसगढ़ तथा महाराष्ट्र समेत कई राज्यों के चुनावों में धांधली की गई है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद करीब साढ़े तीन करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। करीब 60 मतदाताओं में से एक मतदाता का नाम सूची से हटा और इस तरह करीब 15 प्रतिशत वोटरों को सूची से हटाया गया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और विपक्ष के बीच मतों का अंतर केवल तीन प्रतिशत था। मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया ने चुनाव परिणामों को प्रभावित किया और यह देश के नागरिकों की आवाज छीनने जैसा है। श्री गांधी ने कहा कि यह सामान्य चोरी नहीं बल्कि देश के हर नागरिक की आवाज और अभिव्यक्ति के अधिकार की भी चोरी है। उनका कहना था कि मुख्य चुनाव आयुक्त यदि वोटो की हेरा फेरी नहीं करते, वोट चोरी नहीं करते तो श्री नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री और श्री अमित शाह गृह मंत्री नहीं बन सकते थे। उन्होंने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), न्यायपालिका और नौकरशाही जैसी संस्थाओं पर कब्जा किए जाने का आरोप लगाते हुए कहा कि इन संस्थाओं का उद्देश्य देश के लोगों के हितों की रक्षा करना है लेकिन मोदी सरकार का इन संस्थाओं पर कब्जा है और इन पर नियंत्रण के कारण युवाओं, गरीबों, किसानों और श्रमिकों को उनका हक नहीं मिल रहा है, जबकि अडानी और अंबानी जैसे बड़े उद्योगपतियों के हितों को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारे लोगों को ऐसा भारत नहीं चाहिए, जहां गरीबों के पैसे का इस्तेमाल कुछ चुनिंदा लोगों के फायदे के लिए हो और आम नागरिकों को सम्मान न मिले।

उनका कहना था कि एक गरीब आदमी अगर बैंकों से लोन लेता है और लौटने की स्थिति में नगीन है तो उसे दंडित किया जाता है लेकिन उद्योगपति पैसा डकार रहे और उनका कुछ नहीं हो रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि किसान मेहनत करता है और अपने खून-पसीने से देश को सींचता है, तो उसे उसका फल मिलना चाहिए।

जान दे देंगे, लेकिन झुकेंगे नहीं, ममता बनर्जी का भाजपा पर तीखा वार



दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडी गठबंधन ने वोट चोरी और एसआईआर के विरोध में विशाल रैली की। इस दौरान विपक्षी नेताओं ने केंद्र सरकार और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधा। उन्होंने सत्ताधारी दल पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने और चुनावी प्रक्रिया में हेरफेर करने के आरोप लगाए। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने अपने संबोधन में सरकार और चुनाव आयोग पर सवाल उठाए। ममता बनर्जी ने भाजपा पर पश्चिम बंगाल में चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बंगाल एसआईआर का शिकार बना है, लेकिन उनकी पार्टी और राज्य की जनता इसके आगे झुकने वाली नहीं है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधते हुए ममता ने कहा, 'ज्ञानेश, तुम कब गायब होगे?' उन्होंने सवाल उठाया कि चुनाव आयोग किस तरह सत्ताधारी दल के पक्ष में काम कर रहा है। ममता बनर्जी ने भाजपा पर वित्तीय अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए।

मोदी सरकार की विदाई नजदीक, ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना होगा : खरगे



कांग्रेस अध्यक्ष तथा राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए कहा है कि मोदी सरकार की विदाई के दिन नजदीक हैं और देश में वोट चोरी की साजिश में भूमिका निभाने वाले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना होगा तथा उनके खिलाफ जांच भी होगी। श्री खरगे ने रविवार को यहां रामलीला मैदान में विपक्षी इंडिया गठबंधन की 'वोट बचाओ, देश बचाओ' महारैली को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त जनता की आवाज समझ लें, क्योंकि वे लोगों का अधिकार नहीं छीन सकते। उन्होंने कहा कि यह आजादी की दूसरी लड़ाई है और विपक्ष इसे जीतकर रहेगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर करीब 14 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। उन्होंने सवाल किया कि हटाए गए नामों में कितने विदेशी नागरिक थे। उन्होंने दावा किया कि छह राज्यों में 10 करोड़ मतदाताओं में केवल 1,600 विदेशी मिले हैं, जिनमें अधिकतर नेपाल के नागरिक हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा घुसपैठियों के नाम पर झूठ बोल रही है और मतदाता सूची में बदलाव का इस्तेमाल चुनावी फायदे के लिए किया जा रहा है। श्री खरगे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार को महंगाई, बेरोजगारी, किसानों और मजदूरों की समस्याओं की चिंता नहीं है बल्कि उसे अपनी कुर्सी की चिंता है। उन्होंने कहा कि चुनिंदा पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाया जा रहा है, जबकि सार्वजनिक उपक्रमों के निजीकरण से रोजगार और आरक्षण पर खतरा पैदा हो रहा है।

भारी भीड़ के कारण पदयात्रा की जगह खुले वाहनों से रामलीला मैदान पहुंचे बड़े विपक्षी नेता

इंडिया गठबंधन का 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली के लिए पहले मिंटो रोड से रैली स्थल रामलीला मैदान तक पदयात्रा का कार्यक्रम था लेकिन भारी भीड़ को देखते हुए गठबंधन के 23 दलों के प्रमुख नेताओं को खुले वाहनों में रैली के रूप में आगे बढ़ने को मजबूर होना पड़ा और करीब एक किलोमीटर की दूरी तय करने में उन्हें डेढ़ घंटे लग गये। रैली में शामिल होने से पहले कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के नेताओं का कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास 10 राजाजी मार्ग पर जमावड़ा लग गया था। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद) की सुप्रिया सुले, राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव, नेशनल कॉन्फ्रेंस के फारूक अब्दुल्ला, समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती, तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी और कांग्रेस महासचिव के. सी. वेणुगोपाल सहित कई वरिष्ठ नेता एक ही बस में सवार होकर रैली के लिए निकले। बस में श्री गांधी सबसे आगे बैठे हुए थे। विपक्षी नेता खुली गाड़ियों में काफिले के साथ मिंटो रोड पहुंचे। कार्यक्रम के अनुसार मिंटो रोड से श्री गांधी, श्री यादव सहित प्रमुख नेताओं को रैली के रूप में पदयात्रा करते हुए रैली स्थल रामलीला मैदान तक पहुंचना था लेकिन भीड़ लोगों का हुजूम मिंटो रोड से लेकर रैली स्थल तक उमड़ा था इसलिए खुले वाहनों के जरिए इन नेताओं को धीरे- धीरे भीड़ के साथ रैली स्थल तक पहुंचने को मजबूर होना पड़ा। विपक्षी नेता काफिले के साथ बड़ी संख्या में उमड़े कार्यकर्ता और समर्थकों के साथ अत्यंत धीरे चलते खुले वाहनों में आगे बढ़ते रहे। भीड़ इतनी अधिक थी कि वाहनों की गति बेहद धीमी रही और एक किलोमीटर की दूरी तय करने में करीब डेढ़ घंटे का समय लग गया।

वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर फिर महंगा, दिल्ली में 10 रुपये बढ़ी कीमत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। त्योहारों से पहले वाणिज्यिक रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर के दाम एक बार फिर बढ़ गए हैं, हालांकि घरेलू इस्तेमाल वाले सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सार्वजनिक तेल विपणन कंपनियों ने रविवार से दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत बढ़ाकर 2,820 रुपये कर दी है। अक्टूबर में इसकी कीमत 2,810 रुपये थी। इस प्रकार दिल्ली में यह 10 रुपये महंगा हुआ है। अन्य शहरों में भी कीमतों में कर और परिवहन लागत के आधार पर थोड़े-बहुत अंतर के साथ लगभग इतनी ही बढ़ोतरी की गई है। इस साल अगस्त के बाद यह लगातार तीसरी बार है जब वाणिज्यिक रसोई गैस महंगी हुई है। तीन बार में दिल्ली में इसकी कीमत 82 रुपये प्रति सिलेंडर बढ़ी है। गत 28 फरवरी को पश्चिम एशिया संकट की शुरूआत के बाद से ही वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर के दाम ऊपर बने हुए हैं। पश्चिम एशिया संकट से पहले के स्तर से दिल्ली में अभी इसकी कीमत 1,079.50 रुपये ऊपर है। वहीं, घरेलू इस्तेमाल वाले 14.2 किलोग्राम के सिलेंडर के मूल्य में गत 07 जून के बाद से कोई बदलाव नहीं किया गया है। घरेलू एलपीजी सिलेंडर की दिल्ली में 942 रुपये और कोलकाता में 968 रुपये है। मुंबई में यह 941.50 रुपये का और चेन्नई में 957.50 रुपये का है।

एयर मार्शल इंदरपाल सिंह वालिया ने संभाली भारतीय वायुसेना के उप प्रमुख की कमान

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। एयर मार्शल इंदरपाल सिंह वालिया ने रविवार 1 नवंबर को भारतीय वायुसेना के उप प्रमुख (वाइस चीफ ऑफ द एयर स्टाफ) का पदभार संभाल लिया। इस अवसर पर उन्होंने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पहुंचकर देश की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

एयर मार्शल इंदरपाल सिंह वालिया मिग-21, मिग-23, मिग-27, जगुआर और सुखोई-30 एमकेआई के सभी संस्करणों को उड़ाने का बेहतरीन अनुभव रखते हैं। पदभार संभालने के अवसर पर रविवार को एयर मार्शल वालिया को औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उन्होंने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन सभी वीर सैनिकों के बलिदान को नमन किया, जिन्होंने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। एयर मार्शल इंदरपाल सिंह वालिया की नियुक्ति भारतीय वायुसेना के वरिष्ठ नेतृत्व में महत्वपूर्ण बदलाव का हिस्सा है। उप प्रमुख के रूप में वह वायुसेना के शीर्ष नेतृत्व का हिस्सा होंगे। वायुसेना का उप प्रमुख का पदभार संभाल रहे एयर मार्शल वालिया पूर्वी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के पद पर कार्यरत थे। वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व छात्र हैं। वर्ष 1988 में 11 जून को उन्होंने भारतीय वायुसेना (आईएएफ) की लड़ाकू विमान शाखा में कमीशन प्राप्त किया था। लगभग चार दशकों के अपने लंबे करियर में एयर मार्शल वालिया ने कई कमान और स्टाफ संबंधी जिम्मेदारियां संभाली हैं। एयर मार्शल ने अग्रिम पंक्ति के एक लड़ाकू विमान स्क्वाड्रन और 'टैक्टिक्स एंड एयर कॉम्बैट डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट' (टीएसीडीई) की कमान संभाली है। एयर मार्शल वालिया वायुसेना स्टेशन बरेली के एयर ऑफिसर कमांडिंग की जिम्मेदारी भी निभा चुके हैं। एयर मार्शल वालिया ने ब्रिटेन में उन्नत कमान एवं स्टाफ पाठ्यक्रम और बांग्लादेश के राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय से भी प्रशिक्षण प्राप्त किया है। इंद्रपाल सिंह वालिया भारतीय वायुसेना के वायु स्टाफ निरीक्षण निदेशालय के प्रमुख रह चुके हैं।

उन्होंने जापान और दक्षिण कोरिया

लखनऊ तिहरे हत्याकांड में 25 हजार की इनामी दिव्या शुक्ला गिरफ्तार, अब तक 8 आरोपी पुलिस हिरासत में

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पार्किंग विवाद के कारण तीन लोगों की हत्या के मामले में 25 हजार रुपये की इनामी महिला आरोपी को रविवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, महिला की पहचान दिव्या शुक्ला (32) के रूप में हुई है और उसकी गिरफ्तारी के साथ ही इस मामले में अब तक गिरफ्तार आरोपियों की संख्या आठ हो गई है। पुलिस ने यहां जारी एक बयान में कहा, ''26 अक्टूबर को सआदतगंज थाना क्षेत्र में हुई तीन लोगों की हत्या के मामले में सात आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका था। मामले में वांछित दिव्या शुक्ला को रविवार को गिरफ्तार किया गया।'' दिव्या मूल रूप से नौबस्ता के ब्राह्मणी टोला की रहने वाली है और फिलहाल लखनऊ के दुबग्गा में यूनिटी डिग्री कॉलेज के पास बरावां कला रोड स्थित कैलाश एस्टेट में रह रही है। उसे दुबग्गा थाना क्षेत्र में आईआईएम रोड पर कुरहा चौराहे से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि उसके खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। ब्राह्मणी टोला में एक खाली भूखंड पर कार पार्क करने को लेकर हुए विवाद के बाद मुख्य आरोपी ऋषभ शुक्ला ने शिवाजी तिवारी, उनके भाई शिवेंद्र तिवारी और बेटे सुयश तिवारी को गोली मार दी थी।

सपा ने 10 लाख गुंडे पाले, हमने 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

गिरगिटों से सावधान रहें, जिन्होंने यूपी की पहचान और सुरक्षा पर संकट खड़ा किया: योगी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को क्रांतिधरा चौरी चौरा से समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर अब तक का सबसे तीखा प्रहार किया। 287 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 84 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी की यही उपलब्धि है कि उसने अपनी चार बार की सरकार में प्रदेश के भीतर 1500 दंगे करवाए थे। सपा ने अपनी सरकारों में 10 लाख गुंडे पाले हुए थे जो हर जिले में लूटपाट करते थे, गरीबों की जमीनों पर कब्जा करते थे और बेटियों व व्यापारियों की सुरक्षा के लिए खतरा बने हुए थे। इसके विपरीत भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने पिछले 10 वर्षों में 10 लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी दी है और माफिया को मिट्टी में मिलाने का काम किया है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने गोड़धोइया नाला परियोजना के 495 करोड़ रुपये के प्रथम चरण का लोकार्पण और 880 करोड़ रुपये के द्वितीय चरण, गोरखपुर सीवरेज योजना के जोन ए तीन एवं प्रस्तावित सर्विस रोड की आधारशिला भी रखी।

साजिशकताओं और अराजक तत्वों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई का आह्वान

देश में माहौल बिगाड़ने वालों को कड़ी चेतावनी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में 46 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं और 55 करोड़ लोगों को जनधन खातों व आयुष्मान भारत का लाभ मिला है। बिचौलियों का खेल खत्म होने से परेशान भ्रष्टाचारी तत्व आज सड़कों पर अराजकता पैदा कर रहे हैं। ये लोग किसान, महिला, युवा और राष्ट्र की सुरक्षा के विरोधी हैं तथा नक्सलवाद, आतंकवाद व अलगाववाद के समर्थक हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि जब देश अपनी आजादी के शताब्दी महोत्सव की ओर बढ़ रहा है, तब हमें इन साजिशकताओं और अराजकतावादियों को माहौल बिगाड़ने की छूट नहीं देनी है।

सपा का मतलब बदमाश को बुलावा, भाजपा का मतलब विकास और बदलाव

सपा के शासनकाल की याद दिलाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तब देख सपाई बिटिया घबराई का नारा चलता था। बेटियां स्कूल जाने से डरती थीं और पर्व व त्योहारों से पहले उपद्रव शुरू हो जाते थे, महीनों कर्फ्यू लगा रहता था। सपा का मतलब बदमाश को बुलाना था जबकि भाजपा का मतलब बदलाव का सारथी बनना है। हमारी सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि बेटी के साथ छेड़खानी करने वाले और व्यापारी की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों के लिए केवल दो ही जगह होंगी, या तो जेल या फिर जहन्नुम।

कांग्रेस के पतन की वजह बनेगी महारैली, नड्डा का राहुल गांधी पर तीखा वार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने दिल्ली के रामलीला मैदान में हुई इंडिया गठबंधन की महारैली पर निशाना साधा है। उन्होंने विपक्ष की इस रैली को 'मूर्खतापूर्ण और पहले से तय नाटक' बताया। नड्डा ने कहा कि यह रैली कांग्रेस के ताबूत में आखिरी कील साबित होगी और पार्टी के राजनीतिक पतन का कारण बनेगी। नड्डा ने आरोप लगाया कि इस प्रदर्शन का मकसद लोकतंत्र को अराजकता और अव्यवस्था के हवाले करना है। उन्होंने 1984 के सिख-विरोधी दंगों का जिक्र करते हुए कांग्रेस और राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। समाचार एजेंसी भाषा के मुताबिक, जेपी नड्डा ने पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि रैली के जरिए दिल्ली में दंगे और अव्यवस्था फैलाने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा, 'दिल्ली में दंगे और अराजकता फैलाने की साजिश के जरिये लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार को हटाना, त्योहारों के मौसम में दिल्ली के दुकानदारों और व्यापारियों को नुकसान पहुंचाना तथा देश की छवि खराब करना भी इस रैली के अन्य उद्देश्य हैं।' नड्डा ने कहा कि रामलीला मैदान में हो रहा प्रदर्शन लोकतंत्र का सम्मान नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को बिगाड़ने की कोशिश है।

1984 के सिख-विरोधी दंगों का किया जिक्र

जेपी नड्डा ने 1 नवंबर की तारीख का जिक्र करते हुए कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि 1984 के सिख-विरोधी दंगों में हजारों सिख परिवारों को नुकसान उठाना पड़ा था और कई परिवार बेघर हो गए थे। उन्होंने कहा, 'एक नवंबर भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का सबसे बदसूरत और काला दिन है। इसी दिन कांग्रेस के संरक्षण में पलने वाले गुंडों ने हमारे निर्दोष सिख भाइयों का नरसंहार किया था। हजारों और लाखों सिख परिवार रातोंरात बेघर हो गए थे।' नड्डा ने आरोप लगाया कि इसी तारीख पर रैली आयोजित करके राहुल गांधी सिख समुदाय के जख्मों पर नमक छिड़कना चाहते हैं।

राहुल गांधी को लेकर क्या बोले जेपी नड्डा?

जेपी नड्डा ने राहुल गांधी को निशाने पर लेते हुए कहा कि उन्हें 1 नवंबर के इतिहास और दिल्ली के व्यापारियों के नुकसान से जुड़े सवालों का जवाब देना होगा। उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी, ध्यान से सुनिए। आप एक नवंबर के काले इतिहास को नहीं छिपा सकते। आप दिल्ली के व्यापारियों के आंसुओं का जवाब देने से बच नहीं सकते।' नड्डा ने आगे कहा, 'आपकी यह रैली कांग्रेस के ताबूत में आखिरी कील साबित होगी और उसके राजनीतिक पतन का कारण बनेगी।'

संपादक की कलम

रूस यूक्रेन युद्ध का हासिल मृत्यु और बबार्दी



ललित शर्मा
संपादक

वोलादिमीर जेलेन्सकी को यूक्रेन के देशवासियों ने कॉमेडियन से देश का राष्ट्रपति यानी हीरो बना दिया था। और इसी हीरो ने पूरे यूक्रेन को बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी, यूरोप तथा अमेरिका के दम पर शक्तिशाली रूस से लगातार युद्ध करता रहा और इस युद्ध के परिणाम स्वरूप लगभग एक करोड़ लोग इस युद्ध में मारे गए एवं लगभग 20 से 25 लाख नागरिक बेघर हो गए। इस युद्ध में दोनों देशों का भारी नुकसान हुआ है अरब और खरब रुपए धुएं और बारूद में नष्ट हो गए। विस्तारवाद की सनक ने न जाने कितने मासूमों की जान ले ली और अबोध नागरिकों का भविष्य दांव पर लगा दिया। रूस और यूक्रेन के बीच फरवरी 2022 में शुरू हुआ युद्ध आधुनिक विश्व इतिहास की सबसे बड़ी मानवीय त्रासदियों में से एक बन चुका है। इस युद्ध ने न केवल दो देशों की अर्थव्यवस्था, सैन्य शक्ति और बुनियादी ढाँचे को भारी नुकसान पहुँचाया है, बल्कि यूरोप की शांति, वैश्विक अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति को भी गहरे संकट में डाल दिया है। चार वर्षों से अधिक समय बीत जाने के बावजूद इस युद्ध का कोई स्थायी समाधान दिखाई नहीं देता। सवाल यह है कि आखिर इस युद्ध से किसने क्या हासिल किया? क्या यूक्रेन की संप्रभुता की रक्षा के नाम पर शुरू हुई लड़ाई ने उसके नागरिकों को सुरक्षित भविष्य दिया, या उसे एक ऐसे विनाश के मुहाने पर पहुँचा दिया जहाँ पुनर्निर्माण की चुनौती आने वाली कई पीढ़ियों तक बनी रहेगी? सबसे पहले इस युद्ध से जुड़ी मानवीय क्षति के आँकड़ों को समझना आवश्यक है। एक करोड़ लोगों की मौत और 20 से 25 लाख लोगों के बेघर होने का दावा विश्वसनीय रूप से प्रमाणित आँकड़ा नहीं है। युद्ध में सैनिकों की वास्तविक मौतों का आकलन कठिन है और अलग-अलग पक्ष अपने आँकड़े अलग ढंग से प्रस्तुत करते हैं। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार निगरानी मिशन ने हजारों नागरिकों की मौत और उससे कहीं अधिक लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। इसके अतिरिक्त लाखों यूक्रेनी नागरिकों को अपना घर छोड़कर दूसरे देशों अथवा देश के सुरक्षित क्षेत्रों में शरण लेनी पड़ी। इसलिए इस युद्ध की वास्तविक त्रासदी को समझने के लिए अपुष्ट आँकड़ों के बजाय सत्यापित मानवीय नुकसान को आधार बनाना चाहिए। इस संदर्भ में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक पहलू भी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की राजनीति में आने से पहले एक लोकप्रिय हास्य अभिनेता और टेलीविजन कलाकार थे। उन्होंने 2019 में भ्रष्टाचार विरोधी अभियान और व्यवस्था परिवर्तन के वादे के साथ चुनाव जीता। जनता ने उन्हें एक नए चेहरे और उम्मीद के प्रतीक के रूप में स्वीकार किया। लेकिन फरवरी 2022 में रूस के व्यापक सैन्य आक्रमण के बाद वे एक युद्धकालीन राष्ट्रपति के रूप में विश्व मंच पर सामने आए। उनकी नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा भी हुई और युद्ध संबंधी रणनीति, पश्चिमी देशों पर निर्भरता तथा राजनीतिक फैसलों की आलोचना भी हुई। किसी लोकतांत्रिक देश के राष्ट्रपति का मूल्यांकन केवल युद्ध के परिणाम से नहीं, बल्कि उन परिस्थितियों, विकल्पों और निर्णयों से भी होना चाहिए जिनमें उसे काम करना पड़ा। इस युद्ध की शुरुआत को भी केवल जेलेंस्की की नीतियों से जोड़ना ऐतिहासिक दृष्टि से उचित नहीं होगा। रूस ने 2014 में क्रीमिया पर कब्जा कर लिया था और पूर्वी यूक्रेन के डोनबास क्षेत्र में संघर्ष शुरू हो चुका था। यूक्रेन का पश्चिमी देशों और नाटो के करीब जाना रूस की सुरक्षा संबंधी चिंताओं का प्रमुख विषय रहा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने नाटो के विस्तार और यूक्रेन की पश्चिमी सैन्य गठबंधन से निकटता को अपने देश की सुरक्षा के लिए खतरा बताया। दूसरी ओर, यूक्रेन का तर्क रहा कि उसे अपनी विदेश नीति और सुरक्षा संबंधी निर्णय स्वयं लेने का संप्रभु अधिकार है।

50 करोड़ गरीबों को राहत, अब मुफ्त राशन और डीबीटी पर क्या होगा?



किशन भावनानीं
लेखक



वैश्विक स्तरपर विश्व बैंक की अक्टूबर 2026 की रिपोर्ट ने भारत की आर्थिक प्रगति को वैश्विक चर्चा के केंद्र में ला दिया है।लेकिन गरीबी में ऐतिहासिक गिरावट के साथ मुफ्त राशन,प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, सामाजिक सुरक्षा और आगामी बजट में सरकारी सहायता के भविष्य पर अनेक गंभीर सवाल भी खड़े हो गए हैं।विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार,वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत में निम्न-मध्यम आय वाले देशों के लिए निर्धारित 4.20 डॉलर प्रतिदिन की अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा से नीचे रहने वाली आबादी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत रह गया। इस बदलाव के साथ अनुमानित 49.6 करोड़ लोग इस गरीबी श्रेणी से बाहर आए।वहीं,3 डॉलर प्रतिदिन की अत्यधिक गरीबी रेखा के नीचे रहने वाली आबादी 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत रह गई। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह उपलब्धि निस्संदेह ऐतिहासिक है, लेकिन इन आंकड़ों को समझने के लिए गरीबी की परिभाषा समझना आवश्यक है।विश्व बैंक की गरीबी रेखाएं 2021 की क्रय शक्ति समता (पीपीपी) पर आधारित अंतरराष्ट्रीय मानक हैं।

इन्हें वर्तमान विनिमय दर से सीधे रुपये में बदलकर किसी व्यक्ति की वास्तविक दैनिक आय नहीं माना जा सकता।गरीबी रेखा पार करने का अर्थ यह भी नहीं है कि व्यक्ति आर्थिक रूप से सुरक्षित संपन्न या मध्यवर्गीय हो गया है।बहुआयामी गरीबी के आंकड़े भी इस परिवर्तन की पुष्टि करते हैं। ऑक्सफोर्ड पॉवर्टी एंड 'मन डेवलपमेंट इनिशिएटिव के बहुआयामी गरीबी सूचकांक के अनुसार, भारत की गरीबी दर 2005- 06 में 53.8 प्रतिशत थी, जो 2019-21 में 16.4 प्रतिशत रह गई। विश्व बैंक के अपने बहुआयामी माप के अनुसार 2022-23 में यह 15.5 प्रतिशत थी।

साथियों बात अगर हम अब विश्व बैंक की नई रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन क्यों? इसको समझने की करें तो,यह सबसे महत्वपूर्ण सवाल है कि जब लगभग 50 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आ चुके हैं, तो प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाय) के अंतर्गत लगभग 80 करोड़ लोगों को मुफ्त खाद्यान्न क्यों दिया जा रहा है?इसका उत्तर है गरीबी का माप और राशन की पात्रता एक ही चीज नहीं हैं। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत पात्र परिवारों का चयन अलग मानदंडों और सरकारी सूची के आधार पर होता है।विश्व बैंक की अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा पार करने से किसी परिवार की राशन पात्रता अपने आप समाप्त नहीं होती।दूसरी बात,गरीबी से बाहर निकलना और आर्थिक झटकों से सुरक्षित होना अलग-अलग स्थितियां हैं।बीमारी बेरोजगारी,महंगाई, फसल खराब होने या अचानक आय बंद होने से गरीबी रेखा पार कर चुका परिवार भी दोबारा संकट में आ सकता है।इसलिए मुफ्त राशन केवल भुखमरी रोकने का उपाय नहीं,बल्कि आर्थिक असुरक्षा के विरुद्ध सुरक्षा कवच भी है।जब एक निम्न- मध्यम वर्गीय परिवार का भोजन पर होने वालाखर्च बचता है,तो वे उस पैसे को बच्चों की शिक्षा,स्वास्थ्य और अन्य उपभोक्ता वस्तुओं पर खर्च करते हैं। इससे बाजार में मांग बढ़ती है और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है।

साथियों बात अगर हम विश्व बैंक की रिपोर्ट आने के बाद क्या मुफ्त राशन और डीबीटी पर कैंची चलेगी? इसको समझने की करें तो, वर्तमान रिपोर्ट के आधार पर मुफ्त राशन, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी),पेंशन, छात्रवृत्ति या अन्य कल्याणकारी योजनाओं को समाप्त करने का कोई स्वतः लागू प्रावधान नहीं बनता। किसी योजना में बदलाव के लिए सरकार को अलग नीतिगत निर्णय, बजटीय प्रावधान और पात्रता संबंधी नियमों में संशोधन करना होगा।बल्कि विश्व बैंक ने खाद्य सब्सिडी और सामाजिक हस्तांतरण को गरीबी घटाने में योगदान देने वाले कारकों में शामिल किया है।इसलिए गरीबी में कमी को कल्याणकारी योजनाओं की निरर्थकता का प्रमाण मानना रिपोर्ट के निष्कर्षों को अधूरा पढ़ना होगा अर्थशास्त्रियों का मानना है कि गरीबी रेखा को पार करना केवल एक न्यूनतम पड़ाव है।भविष्य में सरकार लाभार्थियों की सूची का सत्यापन अपात्र लाभार्थियों को हटाने,योजनाओं को अधिक लक्षित बनाने या नकद सहायता और खाद्य सहायता के संतुलन में बदलाव जैसे कदम उठा सकती है।लेकिन यह संभावित प्रशासनिक सुधार होगा,न कि 49.6 करोड़ लोगों के गरीबी से बाहर आने का स्वतः परिणाम।

साथियों बात अगर हम विश्व बैंक की रिपोर्ट आने के बाद आगामी 1 फरवरी 2027 को आने वाला अगला संभावित केंद्रीय बजट वित्त वर्ष 2027- 28 बजट में क्या हो सकने की संभावना है?इसको समझने की करें तोक्या इस बजट में गरीबी से बाहर आए लोगों के लिए आवंटन कम किया जाएगा? अभी ऐसा कोई निश्चित निर्णय घोषित नहीं हुआ है। बजट में योजनाओं के लिए आवंटन का निर्धारण गरीबी के आंकड़ों के साथ-साथ महंगाई, राजकोषीय स्थिति,रोजगार, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक जरूरतों को ध्यान में रखकर किया जाएगा।संभव है कि भविष्य में सरकार अत्यधिक गरीब परिवारों के लिए अधिक लक्षित सहायता और आर्थिक रूप से असुरक्षित परिवारों के लिए रोजगार,कौशल विकास तथास्वरोजगार योजनाओं पर अधिक जोर दे।लेकिन गरीबी में कमी के आधार पर सभी लाभार्थियों की सहायता समाप्त करना न तो स्वतः आवश्यक है और न ही आर्थिक दृष्टि से विवेकपूर्ण होगा।

साथियों बात अगर हम गरीबी कम होने के पीछे कौन-से कारक रहे? इसको समझने की करें तो,विश्व बैंक नेगरीबी में गिरावट के पीछे कईपरस्पर जुड़े कारण बताए हैं। इनमें घरेलू उपभोग में वृद्धि,रोजगार के अवसरों का विस्तार, महिलाओं की आर्थिक भागीदारी और सामाजिक सहायता योजनाएं प्रमुख हैं।2017 से 2023 के बीच भारत में रोजगार करने वाले लोगों की संख्या लगभग 13.4 करोड़ बढ़ी। ग्रामीण महिलाओं की बढ़ती भागीदारी ने परिवारों की आय में योगदान दिया। खाद्य सब्सिडी और सामाजिक हस्तांतरण ने कमजोर परिवारों को आर्थिक सहारा दिया। प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, जनधन खाते, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत और ग्रामीण सड़क एवं बिजली जैसी पहलों ने भी जीवन स्तर में सुधार के लिए आधार तैयार किया। हालांकि, गरीबी में आई पूरी गिरावट का श्रेय किसी एक योजना या एक सरकार को देना उचित नहीं होगा।आर्थिक विकास पूर्ववर्ती नीतियों संरचनात्मक बदलावों और विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों का योगदान मिलकर इस परिणाम तक पहुंचा है।

साथियों बात अगर हम क्या सरकारें राजनीतिक लाभ के लिए इन योजनाओं को जारी रखती हैं? इसको समझने की करें तो इसके विकासात्मक और राजनीतिक पहलू होते हैं,कल्याणकारी योजनाओं के दो पहलू होते हैं। एक तरफ जहां विश्लेषक इसे चुनावी लाभ या फ्रीबीज की राजनीति से जोड़कर देखते हैं,वहीं दूसरी तरफ इसे कल्याणकारी राज्य की जिम्मेदारी के रूप में देखा जाता है।भारत जैसे विकासशील देश में जहां एक बड़ी आबादी असंगठित क्षेत्र (कृषि, दिहाड़ी मजदूरी, छोटे रेहड़ी-पटरी वाले) में काम करती है,वहां सामाजिक सुरक्षा योजनाएं आर्थिक असमानता को पाटने का एक अनिवार्य माध्यम हैं।

साथियों बात अगर हम विश्व बैंक की आई रिपोर्ट पर सत्ताधारी पार्टी और विपक्ष की प्रतिक्रिया को समझने की करें तो,सत्ताधारी पार्टी ने विश्व बैंक की रिपोर्ट को प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार की विकास नीतियों की सफलता के प्रमाण के रूप में प्रस्तुत किया है। वित्तमंत्री ने रिपोर्ट का स्वागत करते हुए कहा कि सरकार केनिरंतर प्रयासों से समावेशीविकास और आर्थिक अवसरों की नींव मजबूत हुई है। सत्ताधारी पार्टी के प्रवक्ता सांसद ने भी गरीबी में गिरावट को सरकार की उपलब्धि बताते हुए विपक्ष की आलोचना की।दूसरी ओर विपक्ष की व्यापक आर्थिक आलोचना बेरोजगारी, महंगाई वेतन वृद्धि की धीमी गति और आर्थिक असमानता पर केंद्रित रही है। प्रमुख विपक्षी पार्टी के प्रमुख नेता ने हालिया बयानों में कहा है कि आर्थिक विकास का लाभ आम नागरिक तक पहुंचना चाहिए और केवल जीडीपी के आंकड़े लोगों की वास्तविक आर्थिक स्थिति नहीं बताते। विश्व बैंक की रिपोर्ट स्वयं इस बहस को अधिक संतुलित बनाती है।इसके अनुसार, 2023 में सबसे अधिक कमाने वाले 10 प्रतिशत कामगारों की औसत नहीं, बल्कि मध्यक कमाई सबसे कम कमाने वाले 10 प्रतिशत

गरीबी से मुक्तिः भारत में उम्मीद का नया उजाला



ललित गर्ग
लेखक

किसी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति का आकलन केवल उसकी आर्थिक विकास दर, सकल घरेलू उत्पाद, औद्योगिक विस्तार अथवा वैश्विक आर्थिक रैंकिंग से नहीं किया जा सकता। विकास की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, निर्धनता का दायरा सिमटे, सामान्य नागरिक के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और समृद्धि का संचार हो, गरीबी का कलंक मिटे तथा आर्थिक अवसरों पर सबका समान अधिकार स्थापित हो। इस दृष्टि से भारत में गरीबी और निर्धनता के स्तर में आई उल्लेखनीय गिरावट एक ऐतिहासिक उपलब्धि और नए भारत के निर्माण का शुभ संकेत है। विश्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट में भारत की इस प्रगति को वैश्विक स्तर पर गरीबी में आई सबसे तेज गिरावटों में से एक माना जाना इस उपलब्धि को और महत्वपूर्ण बनाता है। यह केवल आर्थिक आंकड़ों का परिवर्तन नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की कहानी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में गरीबी उन्मूलन की दिशा में किए गए प्रयासों का यह एक महत्वपूर्ण परिणाम है, एक शुभ एवं श्रेयस्कर भविष्य की आहट है।

विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत में अत्यधिक निर्धनता की दर 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत रह गई। इसी अवधि में 4.20 डॉलर प्रतिदिन की अंतरराष्ट्रीय निर्धनता सीमा के अंतर्गत आने वाली आबादी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत हो गया। इसका अर्थ है कि लगभग 49.6 करोड़ लोग गरीबी के दायरे से बाहर आए। वर्ष 2028 तक इस अनुपात के 12.1 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान भी व्यक्त किया गया है। ये आंकड़े भारत की आर्थिक और सामाजिक यात्रा में एक बड़े परिवर्तन के प्रमाण हैं। विशेष बात यह है कि भारत ने इतनी बड़ी आबादी, व्यापक सामाजिक विविधता और कोविड जैसी वैश्विक महामारी की चुनौतियों के बावजूद निर्धनता कम करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है, यह मोदी सरकार की युगान्तरकारी जन-कल्याण योजनाओं एवं गरीबी उन्मूलन के संकल्पों का ही परिणाम है। इस परिवर्तन के पीछे केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि विकास को जनकल्याण से जोड़ने की नीति भी महत्वपूर्ण रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जनधन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, हर घर जल, आयुष्मान भारत, मुद्रा योजना और मुफ्त खाद्यान्न वितरण जैसी योजनाओं ने निर्धन परिवारों के जीवन में व्यापक बदलाव लाने का काम किया है। इन योजनाओं की विशेषता यह है कि इन्होंने गरीबी को केवल आय की कमी के रूप में नहीं देखा, बल्कि आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, भोजन और वित्तीय समावेशन जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से जोड़कर उसका समाधान करने का प्रयास किया है।

किसी निर्धन परिवार को पक्का मकान मिलना केवल आवास की उपलब्धता नहीं, बल्कि उसे संपत्ति, सुरक्षा और सामाजिक प्रतिष्ठा प्रदान करना है। घर में बिजली, शौचालय और नल से जल की सुविधा उपलब्ध होना उसके जीवन की गुणवत्ता में बुनियादी परिवर्तन लाता है। जनधन खातों और आधार जैसी व्यवस्थाओं ने नागरिकों को वित्तीय एवं वैधानिक पहचान प्रदान की है। आयुष्मान भारत ने स्वास्थ्य संकट के समय गरीब परिवारों को आर्थिक सुरक्षा देने का आधार तैयार किया है। विश्व बैंक ने गरीबी में कमी के प्रमुख कारणों में उपभोग में वृद्धि, रोजगार के अवसरों का विस्तार, विशेषकर महिलाओं की रोजगार में बढ़ती भागीदारी और खाद्य सब्सिडी सहित सामाजिक कल्याणकारी हस्तांतरणों की भूमिका को रेखांकित किया है। वर्ष 2017 से 2023 के बीच रोजगार में लगभग 13.4 करोड़ लोगों की वृद्धि होना भी महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसमें ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की बढ़ती आर्थिक सक्रियता परिवारों की आय बढ़ाने के साथ-साथ सामाजिक आत्मनिर्भरता और निर्णय क्षमता को भी मजबूत करती है। ग्रामीण भारत में निर्धनता की तेज गिरावट ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच आर्थिक अंतर को भी कम करने में योगदान दिया है।

एक अन्य महत्वपूर्ण संकेतक गिनी सूचकांक है, जिसके माध्यम से आय अथवा उपभोग के वितरण में असमानता का आकलन किया जाता है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार भारत का उपभोग आधारित गिनी सूचकांक 23 तक पहुंचा है, जो अपेक्षाकृत कम असमानता का संकेत देता है। यह अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों की तुलना में भारत की बेहतर स्थिति को दर्शाता है। हालांकि यहां यह समझना आवश्यक है कि उपभोग आधारित गिनी सूचकांक समाज में संपत्ति, आय और अवसरों की समग्र असमानता का पूरा चित्र प्रस्तुत नहीं करता। इसलिए गरीबी में कमी को आर्थिक समानता की पूर्ण उपलब्धि मान लेना उचित नहीं होगा। यही वह बिंदु है, जहां भारत की विकास यात्रा का आलोचनात्मक मूल्यांकन आवश्यक हो जाता है। एक ओर करोड़ों लोग गरीबी से बाहर निकल रहे हैं, दूसरी ओर समाज में संपत्ति और आर्थिक संसाधनों का संकेंद्रण एक गंभीर चुनौती बना हुआ है। उच्च आय वर्ग और सामान्य मेहनतकश नागरिक के बीच जीवन की सुविधाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अवसरों का अंतर अभी भी व्यापक है। गुणवत्तापूर्ण रोजगार की कमी, असंगठित क्षेत्र में काम करने वालों की असुरक्षा, युवाओं में बेरोजगारी, कृषि पर निर्भर परिवारों की सीमित आय और महिलाओं को समान पारिश्रमिक न मिलना ऐसे प्रश्न हैं, जिनका समाधान किए बिना समतामूलक समाज की कल्पना अधूरी रहेगी। गरीबी का कम होना और अमीरी-गरीबी के बीच की खाई का कम होना दो अलग-अलग स्थितियां हैं। पहली उपलब्धि उत्साह देती है, लेकिन दूसरी चुनौती पर निरंतर ध्यान देना आवश्यक है। भारत को अब ऐसी विकास नीति की आवश्यकता है, जिसमें आर्थिक प्रगति का लाभ केवल कुछ क्षेत्रों, वर्गों अथवा उद्योगों तक सीमित न रहे। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं, कौशल विकास, छोटे उद्यमों को प्रोत्साहन, कृषि का आधुनिकीकरण, श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा और महिलाओं के लिए सम्मानजनक रोजगार के अवसर इस दिशा में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं।

पीछे दौड़ रही है मौत

उदय कशोर साह

कविता



आगे पीछे खड़ी है यहाँ मौत
बारूद बन गई जीवन की सौत
कहाँ पे ले जा रहा है ये जमाना
दीप से कैसे बच पायेगा परवाना

विश्व में चल रही है वर्चश्व की लड़ाई
हर मानव के दिल में खौफ है समाई
राजनीति की खींच गई है तलवार
नीला ग्रह पर आई है युद्ध तकरार

दो देशों के बीच विरोध खड़ा है
हड़प नीति की दरवार अड़ा है
नर ही बना नर का अब। दुश्मन
कौन हटाये अन्दर का काला चिलमन

धर्म जाति की फैल गई है उन्माद
बिछ गई शतरंज की नई विसात
खुशियों के घर छाई आज विषाद
क्या मिट जायेगा जग की आबाद

ओ रब शांति दूत बन कर तुम आना
हैवानों को घर घर जा कर समझाना
इन्सानियत की तुम नई पाठ पढाना
शायद बदल जाये ये जालिम जमाना

उत्सवों की कीमतः बढ़ता हुआ त्योहारों का प्रदूषण



डॉ विजय गर्ग
लेखक



त्योहार मानव संस्कृति और सामाजिक जीवन का अभिन्न अंग हैं। वे खुशियाँ बाँटते हैं, सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाते हैं और परिवारों तथा समुदायों को एक साथ मिलकर उत्सव मनाने का अवसर प्रदान करते हैं। चाहे दीपावली हो, दशहरा, क्रिसमस, नववर्ष, विवाह समारोह या अन्य सार्वजनिक आयोजन, लोग रोशनी, सजावट, संगीत, आतिशबाजी और बड़े समारोहों के माध्यम से अपनी खुशी व्यक्त करते हैं। लेकिन इस उल्लास के पीछे एक गंभीर पर्यावरणीय चिंता भी छिपी हुई है, जिसे त्योहारों से होने वाला प्रदूषण कहा जाता है। जिन उत्सवों का उद्देश्य खुशियाँ फैलाना है, वे आज वायु, ध्वनि, जल और ठोस कचरे के प्रदूषण का कारण बनते जा रहे हैं। त्योहारों की बढ़ती पर्यावरणीय कीमत हमें यह सोचने के लिए मजबूर करती है कि हम किस प्रकार उत्सव मनाते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसा संसार छोड़कर जा रहे हैं।

वायु प्रदूषण बड़े उत्सवों के सबसे स्पष्ट दुष्परिणामों में से एक है। पटाखों और आतिशबाजी से धुआँ, सूक्ष्म कण तथा हानिकारक गैसें वातावरण में फैलती हैं। ये प्रदूषक साँस संबंधी बीमारियों को बढ़ा सकते हैं, अस्थमा के दौरे पैदा कर सकते हैं तथा बच्चों, बुजुर्गों और हृदय एवं फेफड़ों के रोगियों के लिए गंभीर समस्याएँ उत्पन्न कर सकते हैं। जब वायु की गुणवत्ता पहले से ही खराब हो, तब कुछ घंटों की अत्यधिक आतिशबाजी भी प्रदूषण को खतरनाक स्तर तक पहुँचा सकती है। ध्वनि प्रदूषण भी एक बड़ी चिंता है। तेज आवाज वाले लाउडस्पीकर, पटाखे, ऊँची आवाज में बजता संगीत और लंबे समय तक चलने वाले समारोह आसपास के लोगों की शांति भंग करते हैं तथा उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। अत्यधिक शोर तनाव, नींद की कमी, सिरदर्द और सुनने की क्षमता से संबंधित समस्याएँ पैदा कर सकता है।

इससे अस्पतालों में भर्ती मरीजों, नवजात शिशुओं, बुजुर्गों और परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को भी परेशानी होती है। त्योहारों से होने वाला प्रदूषण केवल वायु और ध्वनि तक सीमित नहीं है। सजावटी सामग्री, प्लास्टिक की पैकिंग, एक बार इस्तेमाल होने वाली प्लेटें और कप, थर्मोकोल, कृत्रिम फूल तथा अन्य गैर-जैविक पदार्थ भारी मात्रा में कचरा उत्पन्न करते हैं। इनमें से कई वस्तुओं का उपयोग केवल कुछ घंटों के लिए होता है, लेकिन वे वर्षों तक पर्यावरण में बनी रहती हैं। इनका अनुचित निपटान नालियों को बंद करता है, जल स्रोतों को प्रदूषित करता है और आसपास गंदगी फैलाता है। कुछ त्योहारों के दौरान जल प्रदूषण भी बढ़ जाता है।

धार्मिक सामग्री, प्लास्टिक की वस्तुएँ, रंग, रसायन और अन्य कचरा कई बार नदियों, तालाबों और झीलों में फेंक दिया जाता है। ऐसी गतिविधियाँ जलीय पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुँचाती हैं और मछलियों सहित अन्य जलजीवों के अस्तित्व के लिए खतरा बनती हैं। हमारी नदियों और जल स्रोतों को सम्मान तथा संरक्षण की आवश्यकता है, न कि गैर-जिम्मेदाराना उत्सवों के कचरे का बोझ। पर्यावरण पर पड़ने वाला प्रभाव पशु-पक्षियों तक भी पहुँचता है। पटाखों के तेज धमाके पालतू जानवरों को डरा देते हैं, वन्यजीवों को परेशान करते हैं और पक्षियों के प्राकृतिक व्यवहार में बाधा डालते हैं।

आवारा कुत्ते और अन्य जानवर आतिशबाजी के दौरान भय और बेचैनी का शिकार होते हैं। अचानक चमकती रोशनी और तेज आवाजों के कारण पक्षी अपने घोंसले छोड़ सकते हैं या दिशाभ्रम के शिकार हो सकते हैं। वास्तविक खुशी का उत्सव बेजुबान जीवों के दुख का कारण नहीं बनना चाहिए। एक अन्य अनदेखा पहलू बिजली और प्राकृतिक संसाधनों की अनावश्यक खपत है। सजावटी रोशनी, अस्थायी ढाँचे, अनावश्यक पैकेजिंग और बड़े पैमाने पर होने वाली व्यावसायिक गतिविधियाँ ऊर्जा की खपत तथा कार्बन उत्सर्जन को बढ़ाती हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया । संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

मेगा विधिक सहायता शिविर में 893 लाभार्थियों ने लिया योजनाओं का लाभ

जिला न्यायालय परिसर में विभिन्न विभागों ने लगाए शिविर, लाभार्थियों को डमी चेक, ट्राइसाइकिल, मशीनें और प्रमाण पत्र किए वितरित









वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। जनपद न्यायालय परिसर में रविवार, 1 नवंबर को मेगा एवं वृहद विधिक सहायता शिविर का भव्य आयोजन किया गया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों तथा जनपद न्यायाधीश के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर का शुभारंभ जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने के साथ-साथ केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी और महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना रहा। शिविर में विभिन्न सरकारी विभागों की ओर से स्टॉल लगाए गए, जहां लोगों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ पात्र लाभार्थियों को मौके पर ही लाभान्वित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सिविल जज (जूनियर डिवीजन)/न्यायिक मजिस्ट्रेट शैला शरण ने किया। इस अवसर पर न्यायिक एवं प्रशासनिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं और कर्मचारियों की विशेष उपस्थिति रही। इनमें अपर जिला जज प्रथम हनी गोयल, विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट ज्ञानेंद्र सिंह यादव, विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट यज्ञेश चंद्र पांडेय तथा अपर जिला जज द्वितीय शेष बहादुर निषाद सहित अन्य न्यायिक अधिकारी मौजूद रहे। शिविर के दौरान जनपद के विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी एवं महत्वाकांक्षी योजनाओं के अंतर्गत लगभग 893 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया। पात्र लोगों को डमी चेक, ट्राइसाइकिल, दोना-पत्तल बनाने वाली मशीनें और विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र वितरित किए गए। लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं से जोड़कर उन्हें आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में यह आयोजन महत्वपूर्ण रहा। इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश ने आमजन से अपील की कि वे केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें और पात्रता के अनुसार संबंधित विभागों में आवेदन कर उनका लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि जानकारी के अभाव में कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से समय-समय पर प्री-लिटिगेशन शिविर आयोजित किए जाते हैं। इसके अलावा पैरा लीगल वॉलंटियर्स (पीएलवी) के माध्यम से भी आमजन को उनके कानूनी अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया जाता है। कार्यक्रम के समापन पर अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डॉ. ब्रह्मपाल सिंह ने उपस्थित न्यायिक अधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों, लाभार्थियों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने शिविर को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी विभागों और अधिकारियों की सराहना की

यूनिवर्सल एकेडमी बिजनौर में धूमधाम से मनाया गया वार्षिकोत्सव

चमकते सितारे रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में नन्हे बच्चों की प्रस्तुतियों ने मोहा सब का मन

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा



बिजनौर। यूनिवर्सल एकेडमी बिजनौर में आयोजित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। प्रधानाचार्य डॉ अनुज त्यागी एवं उप प्रधानाचार्या खुशबू कर्णवाल के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्कूल के प्रबंधक राकेश कर्णवाल, प्रधानाचार्य डॉ अनुज त्यागी, उप प्रधानाचार्या खुशबू कर्णवाल एवं अपर्णा कर्णवाल ने सर्वप्रथम संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन किया। तत्पश्चात भगवान श्री गणेश जी की वंदना के साथ कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर नन्हे कदम प्ले स्कूल की संस्थापिका श्रीमति श्रुति शर्मा की गरिमामयी उपस्थिती ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी,उनके विद्यालय के बच्चों की सहभागिता ने कार्यक्रम को और भी विशेषएवं आकर्षक बना दिया। कार्यक्रम में नर्सरी ,एलकेजी के नन्हे बच्चों ने सुंदर नृत्य प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। वहीं यूकेजी के बच्चों ने शानदार कव्वाली प्रस्तुत कर पूरे वातावरण को उत्साह और उमंग से भर दिया। सब्जियों की आकर्षक रूप व जंगल थीम परआधारित रैंप वॉक ने दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। नन्हे कदम प्ले स्कूल के बच्चों की 'जब जिद पर आई पार्वती' गीत की सुंदर प्रस्तुति से सारा वातावरण भक्ति मय हो गया।इसके बाद कार्यक्रम में अभिभावकों के मनोरंजन के लिए लकी ड्रा के साथ विभिन्न रोचक खेलों का भी आयोजन किया गया। इन गतिविधियों ने कार्यक्रम में मनोरंजन का नया रंग भर दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में बच्चों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और रचनात्मकता की सराहना की उन्होंने विद्यालय के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में मंच संचालन आकांक्षा और प्रियंका ने नन्हे बच्चों विराट और काश्वी के साथ प्रभाव शाली ढंग से किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रधानाचार्य डॉ अनुज त्यागी ने अपने संबोधन में शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं सह पाठयक्रम गतिविधियों के महत्व पर प्रकाश डाला। उप प्रधानाचार्या खुशबू कर्णवाल ने भी मुख्य अतिथ नन्हे कदम प्ले स्कूल की संस्थापिका श्रुति शर्मा, अभिभावकों, एवं सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में एक्टिविटी इंचार्ज अभिलाष, अनीता चौधरी, प्री प्राइमरी शिक्षिकाओ-आकांक्षा, खुशी, मिली, राखी, शिल्पा, प्रियंका, कंचन, प्री प्राइमरी कॉर्डिनेटर फरहा फाइन आर्ट इंचार्ज नितिन सुमन, संगीत शिक्षक मिस्टर संजय और डांस शिक्षक मिस्टर ओम का योगदान रहा। इस प्रकार वार्षिकोत्सव 'चमकते सितारे' हर्षोल्लास से संपन्न हुआ।

कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेले की तैयारियों को लेकर समिति की बैठक में महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई

आयोजन में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्था देने के लिए योजना बनाई

वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा



चांदपुर। कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेले के आयोजन को लेकर मेला समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक जलीलपुर स्थित पेट्रोल पंप पर आयोजित की गई। बैठक में मेले की तैयारियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में समिति के पदाधिकारियों ने तय किया कि बहुत जल्दी अधिकारियों को घाट एवं मेला स्थल का निरीक्षण कराया जाएगा। जिसमें घाट, बाजार एवं डेरे तंबू के लिए जगह चिन्हित की जाएगी। बाढ़ एवं बारिश के कारण खराब हुए रास्तों की मरम्मत का कार्य जल्द से जल्द शुरू कराया जाएगा। जंगल में जंगली घास, पटेरा, टाटल को कटवाने का काम भी बहुत बड़ी लेबर के साथ कराया जाएगा।जिससे मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक में तय किया गया कि नारनौर घाट धाम पर 5 दिन के लिए 20 नवंबर से 24 नवंबर तक लगने वाले कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान के लिए पहुंचेंगें। इस लिए रास्तों को सुचारु एवं सुरक्षित बनाना अत्यंत आवश्यक है। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन से समय रहते आवश्यक व्यवस्थाएं करने की अपील की गई। बैठक में सभी ने मेले को सफलतापूर्वक संपन्न कराने तथा श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास करने का संकल्प लिया। बैठक में समिति के प्रबंधक निरीश गुप्ता उर्फ बिल्लू गुप्ता, अध्यक्ष अजय कुमार कौशिक, संरक्षक चौधरी कुलदीप सिंह, यशपाल सिंह, अरुण शर्मा, सतीश कुमार, जसवंत सिंह नामधारी, शमशेर सिंह, एडवोकेट शिवम अग्रवाल, संदीप कौशिक, पत्रकार राम अवतार सिंह, एडवोकेट चंदन महेश्वरी, रूपराम सिंह, नरेंद्र सिंह सैनी, देवेंद्र सिंह, कपिल राणा, कृष्ण पाल सिंह, पवन कुमार, होममे सिंह, लाइट व टेंट की व्यवस्था के लिए रविंद्र सिंह, साजिद प्रधान, आफताब अहमद आदि ने भाग लिया।

मनोहर रिजेंसी में दीपावली मिलन एवं कार्यकर्ता सम्मेलन का भव्य आयोजन, हजारों कार्यकताओं ने की सहभागिता

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह



हापुड़। विधानसभा क्षेत्र हापुड़ के मनोहर रिजेंसी में सदर विधायक विजय पाल आढ़ती द्वारा दीपावली मिलन एवं कार्यकर्ता सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन में हजारों की संख्या में कार्यकर्ता, पार्टी पदाधिकारी एवं समर्थक शामिल हुए। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द का संदेश दिया।इस अवसर पर विधायक विजय पाल आढ़ती ने उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत हैं। कार्यकताओं के परिश्रम, समर्पण और संगठन के प्रति निष्ठा से ही पार्टी को मजबूती मिलती है। उन्होंने कहा कि दीपावली का पर्व हमें अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने, एकता बनाए रखने और समाज में सकारात्मकता फैलाने की प्रेरणा देता है। विधायक ने अपने संबोधन में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में चल रहे विकास कार्यों और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती और कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी से पार्टी का जनसंपर्क लगातार मजबूत हो रहा है।सम्मेलन के दौरान विजय पाल आढ़ती ने सभी कार्यकर्ता बंधुओं एवं क्षेत्रवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम में उमड़ी बड़ी संख्या में कार्यकताओं की मौजूदगी ने सम्मेलन को विशेष बना दिया।

दिल्ली में प्रदर्शन में शामिल हुए गढ़ विधानसभा के सुधीर चौहान, हापुड़ सपा जिलाध्यक्ष के साथ पहुंचे कार्यकर्ता



वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। दिल्ली में आयोजित प्रदर्शन में गढ़ विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के सुधीर चौहान ने जनपद हापुड़ के समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में पहुंचे पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं के साथ सहभागिता की। इस दौरान हापुड़ जनपद के समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में प्रदर्शन में शामिल हुए।

दिल्ली की सड़कों पर दिखी हापुड़ कांग्रेस की दमदार मौजूदगी, जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी के नेतृत्व में कार्यकताओं ने दिखाई संगठन की ताकत



वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। दिल्ली की सड़कों पर आयोजित प्रदर्शन में हापुड़ जनपद के कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने बड़ी संख्या में पहुंचकर अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज कराई। कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी के नेतृत्व में पहुंचे कार्यकताओं ने एकजुट होकर संगठन की ताकत और सक्रियता का परिचय दिया। इस दौरान कार्यकताओं में खासा उत्साह देखने को मिला और सभी ने पूरे जोश के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की। जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी के नेतृत्व में हापुड़ जनपद से बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचे। कार्यकताओं ने एकजुट होकर कार्यक्रम में भागीदारी निभाई और संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। दिल्ली की सड़कों पर हापुड़ कांग्रेस की मजबूत उपस्थिति ने कार्यकताओं के आपसी समन्वय और संगठनात्मक एकजुटता को भी दर्शाया। इस दौरान जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी ने कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी और समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि संगठन की असली ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता होते हैं। कार्यकताओं की एकजुटता और सक्रियता से ही संगठन को मजबूती मिलती है। उन्होंने सभी कार्यकताओं से इसी तरह मिलकर संगठन के कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भागीदारी करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में हापुड़ जनपद के कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकताओं की बड़ी संख्या में मौजूदगी रही। कार्यकताओं के उत्साह और एकजुटता ने दिल्ली में हापुड़ कांग्रेस की दमदार उपस्थिति दर्ज कराई।

जिला जज जितेन्द्र द्विवेदी बोले अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे न्याय और योजनाओं का लाभ

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया



प्रतापगढ़। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, प्रतापगढ़ के तत्वावधान में रविवार को तुलसीसदन (हादीहाल) में वृहद विधिक जागरूकता, सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रभारी जनपद न्यायाधीश/अपर जिला जज प्रथम जितेन्द्र कुमार द्विवेदी ने दीप प्रज्ज्वलित एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। कार्यक्रम में प्रभारी जनपद न्यायाधीश जितेन्द्र कुमार द्विवेदी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शांभवी सहित अन्य न्यायिक अधिकारियों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से संचालित योजनाओं, उनके क्रियान्वयन तथा लाभान्वित लाभार्थियों की जानकारी ली। साकेत गर्ल्स इंटर कॉलेज की छात्राओं ने स्वागत प्रस्तुति दी, जबकि आत्रेय एकेडमी के बच्चों ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। वृहद सेवा शिविर में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, स्वीकृति पत्र एवं सहायता राशि से संबंधित दस्तावेज वितरित किये गये। पांच दिव्यांग लाभार्थियों को ट्राईसाइकिल प्रदान की गयी। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को 15 करोड़ रुपये का डेमो चेक प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के दो लाभार्थियों को पांच-पांच लाख रुपये तथा मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के एक लाभार्थी को 25 लाख रुपये का डेमो चेक दिया गया। श्रम विभाग की कन्या विवाह सहायता योजना के दो लाभार्थियों को 65 हजार रुपये की सहायता राशि के प्रमाण पत्र तथा मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना के लाभार्थियों को 26 हजार रुपये की सहायता राशि के प्रमाण पत्र वितरित किये गये। पांच लाभार्थियों को आयुष्मान गोल्डेन कार्ड प्रदान किये गये। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण एवं मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, पीएम स्वनिधि, व्यक्तिगत शौचालय तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। आरसेटी प्रतापगढ़ में बकरी पालन का प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। समाज कल्याण विभाग की शादी अनुदान, वृद्धावस्था पेंशन एवं पारिवारिक लाभ योजना के दो-दो लाभार्थियों को प्रमाण पत्र तथा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य एवं मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के दो-दो लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र प्रदान किये गये। वहीं कौशल विकास मिशन के दो अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किये गये। मेगा शिविर अभियान के दौरान कुल 52395 व्यक्तियों को कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने हेतु चिन्हित किया गया जिसमें 36562 लोगों को सरकार की कल्याणकारी योजना से जुड़ाव कराया गया, आज के कार्यक्रम में कुल 256 व्यक्तियों को सरकारी योजनाए और प्रमाण पत्र वितरित किया गया।

मुख्य अतिथि प्रभारी जनपद न्यायाधीश जितेन्द्र कुमार द्विवेदी ने कहा कि विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक न्याय एवं सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्र लाभार्थियों की पहचान कर उन्हें सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जाए, ताकि कमजोर, निर्धन एवं वंचित वर्ग को वास्तविक सहायता मिल सके। उन्होंने कहा कि जागरूकता के अभाव में पात्र लोगों तक योजनाओं की जानकारी नहीं पहुंच पाती है। इसलिए सभी विभागीय अधिकारी अपनी-अपनी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करें और पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। उन्होंने बैंक समन्वयकों से कहा कि लाभार्थियों को अनुदान उपलब्ध कराने में जिस प्रकार उदारता दिखाई जाती है, उसी प्रकार उसकी वसूली में भी उदारता एवं मानवीय दृष्टिकोण अपनाया जाए। उन्होंने शिविर के सफल आयोजन के लिए प्रशासनिक अधिकारियों की सराहना की। इस अवसर पर अपर जिला जज हेमन्त कुमार, अपर जिला जज छोटे लाल यादव, अपर जिला जज राजीव रंजन एवं परियोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव ने भी अपने विचार व्यक्त किये। लीगल एड डिफेंस काउंसिल महावीर यादव ने उपस्थित लोगों को विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया की जानकारी दी। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शांभवी ने अतिथियों एवं आयोजन में सहयोग करने वाले अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

हापुड़ नगर पुलिस ने 90 हजार रुपये के अवैध पटाखों के साथ एक आरोपी को किया गिरफ्तार



वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। दीपावली के त्योहार को देखते हुए अवैध पटाखों की बिक्री एवं भंडारण के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना हापुड़ नगर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 19 कार्टून अवैध पटाखे बरामद किए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 90 हजार रुपये बताई गई है।पुलिस के अनुसार, थाना हापुड़ नगर पुलिस ने रामपुर रोड स्थित ओम बिल्डिंग मैटेरियल के पास से आरोपी को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपी की पहचान मोहसिन पुत्र इमरान निवासी मोहल्ला नवी करीम, थाना हापुड़ नगर, जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 19 कार्टून अवैध पटाखे बरामद किए हैं। इस संबंध में थाना हापुड़ नगर पर अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक रविंद्र कुमार, हेड कांस्टेबल पवन कुमार तथा कांस्टेबल जुगल किशोर और वीर प्रताप शामिल रहे।

ग्रामीण विकास में ब्लॉक प्रमुखों की अहम भूमिका: मुख्यमंत्री धामी

प्रमुख संगठन सम्मेलन-2026 में मुख्यमंत्री ने प्रदेशभर से आए ब्लॉक प्रमुखों से किया संवाद, क्षेत्र पंचायतों को सशक्त बनाने और विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर हुई विस्तृत चर्चा









वेलकम इंडिया/ओपी उनियाल

देहरादून। उत्तराखंड में ग्रामीण विकास को नई गति देने और स्थानीय निकायों को अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्य सेवक सदन में उत्तराखंड ब्लॉक प्रमुख संगठन द्वारा आयोजित प्रमुख संगठन सम्मेलन-2026 में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशभर से पहुंचे ब्लॉक प्रमुखों एवं संगठन के पदाधिकारियों के साथ आत्मीय संवाद किया तथा ग्रामीण क्षेत्रों के विकास, क्षेत्र पंचायतों की भूमिका और जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारियों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रदेश के समग्र विकास में ग्रामीण क्षेत्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है और ग्रामीण विकास की यात्रा में ब्लॉक प्रमुख एक अहम कड़ी हैं। गांवों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करने, सरकारी विकास योजनाओं को धरातल पर उतारने, स्थानीय समस्याओं का समाधान करने और ग्रामीण जनता की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को गति देने में ब्लॉक प्रमुखों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों का विकास केवल सड़क, बिजली और पानी जैसी सुविधाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, रोजगार, पेयजल, कृषि और ग्रामीण आधारभूत ढांचे को मजबूत करना भी विकास की प्राथमिकताओं में शामिल होना चाहिए। इन सभी क्षेत्रों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी से विकास योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। ब्लॉक प्रमुख ग्रामीण जनता और शासन-प्रशासन के बीच महत्वपूर्ण सेतु के रूप में कार्य करते हैं। सम्मेलन में क्षेत्र पंचायतों को सशक्त बनाने, विकास कार्यों के लिए पर्याप्त संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, जनप्रतिनिधियों के अधिकारों एवं दायित्वों को प्रभावी बनाने और ग्रामीण क्षेत्रों की स्थानीय समस्याओं के समाधान जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक विचार-विमर्श किया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भी अपने-अपने क्षेत्रों की आवश्यकताओं, विकास संबंधी चुनौतियों और क्षेत्र पंचायतों के कामकाज को बेहतर बनाने से जुड़े सुझाव रखे। बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि ग्रामीण विकास की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। स्थानीय स्तर पर विकास की जरूरतों को समझकर योजनाएं तैयार करने और उनके क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा करने से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ब्लॉक प्रमुखों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए उनके सुझावों और अनुभवों को ग्रामीण विकास की दिशा में उपयोगी बताया।

पत्रकारों के मान सम्मान से कोई समझौता नहीं: डॉ. संजय द्विवेदी

ज्यादा से ज्यादा पत्रकारों को संगठन से जोड़ें: डॉ. बलराम त्रिपाठी

वेलकम इंडियासंवाददाता

संतकबीरनगर। पत्रकारों के सम्मान, सुरक्षा, अधिकारों और हितों की रक्षा को लेकर रविवार को ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की महत्वपूर्ण बैठक एसपी टाटा मोटर्स बस्ती में हुई। बैठक में बस्ती मण्डल के पदाधिकारियों, तीनों जिलाध्यक्ष और तहसील अध्यक्ष मौजूद रहे। रविवार को बस्ती के एसपी टाटा मोटर्स में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की मण्डलीय कार्यकारिणी की बैठक मण्डल अध्यक्ष डॉ. बलराम त्रिपाठी की अध्यक्षता में हुई। जिसमें मण्डल जिलाध्यक्षों, जिला महामंत्रियों और तहसील अध्यक्षों व मंडल पदाधिकारियों का अंग वस्त्र और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मनित किया गया। मुख्य अतिथि प्रदेश महामंत्री डॉ. संजय द्विवेदी ने कहा कि पत्रकारों के मान सम्मान से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। संगठन के संघर्षों की देन है कि प्रत्येक जनपद में स्थाई समिति की नियमित बैठक हो रही है जिसमें ग्रापए के जिलाध्यक्ष प्रतिनिधि के रूप में शामिल होते हैं। संगठन ने पत्रकारों का बीमा कराया, हेल्थ कार्ड की भी सुविधा दिलाने का काम किया। आगे भी संगठन इसी तरह का काम करता रहेगा। उन्होंने कहा कि सदस्यता अभियान 30 नवंबर तक चलाया जाएगा। सभी मण्डल व जिला पदाधिकारी तहसील अध्यक्षों का पूरा सहयोग करें। मण्डल अध्यक्ष डॉ. बलराम त्रिपाठी ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा पत्रकारों को संगठन से जोड़ें।



इस अवसर पर जिलाध्यक्ष बस्ती अवधेश त्रिपाठी, अखिलेश दूबे, संतकबीरनगर जिलाध्यक्ष सौरभ त्रिपाठी, सिद्धार्थनगर जिलाध्यक्ष आलोक श्रीवास्तव, मण्डल उपाध्यक्ष महेन्द्र श्रीवास्तव, मण्डल प्रवक्ता/मीडिया प्रभारी मुहम्मद परवेज अख्तर, खगेन्द्र मिश्रा, बुद्धिसागर मिश्रा, राजेन्द्र दूबे, संतोष कसौधन, बेचू लाल अग्रहरि, अवधेश कुमार सिंह, सतीश चन्द्र मिश्रा, मोहम्मद आफताब आलम अंसारी सहित तीनों जनपदों के तहसील अध्यक्ष मौजूद रहे।

भाजपा मीडिया प्रभारी के घर पर हमला और जान से मारने की धमकी का वीडियो वायरल

वेलकम इंडियासंवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। थाना गोवर्धन क्षेत्र के गांव गाँठोली में भाजपा मीडिया प्रभारी केशव देव सैनी के घर पर कुछ लोगों द्वारा पहुंचकर हंगामा करने, हमला करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है। घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद क्षेत्र में चर्चा तेज हो गई है।

बताया जा रहा है कि कुछ लोग केशव देव सैनी के घर पहुंचे, जहां उन्होंने हंगामा करते हुए कथित तौर पर हमला किया। इस दौरान जान से मारने की धमकी दिए जाने का भी आरोप है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया है। घटना को लेकर पीड़ित पक्ष में भय का माहौल होने की बात सामने आ रही है। वहीं, वायरल वीडियो के आधार पर पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठ रही है। फिलहाल मामले में पुलिस की आधिकारिक प्रतिक्रिया और कार्रवाई की पुष्टि नहीं हो सकी है। अब देखना होगा कि पुलिस वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर मामले की जांच करती है और आरोपों के आधार पर क्या कदम उठाती है।



टाइड फंड की धनराशि दूसरे कार्यों में खर्च करना 21 सचिवों को पड़ा भारी

वेलकम इंडियासंवाददाता

मथुरा। जिले में 15वें वित्त आयोग के टाइड फंड की धनराशि का निर्धारित कार्यों के बजाय अन्य विकास कार्यों में खर्च करने के मामले में 21 ग्राम पंचायत सचिवों पर कार्रवाई की गई है। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता के निर्देश पर कराई गई जांच में नियमों के विपरीत धनराशि खर्च किए जाने की पुष्टि होने पर संबंधित सचिवों को प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई है। इनमें दो सचिवों ने अभी तक अपना स्पष्टीकरण भी नहीं दिया है।



नियमों के अनुसार टाइड फंड की धनराशि का इस्तेमाल पेयजल व्यवस्था, जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, नाली निर्माण, स्वच्छता और ठोस-तरल कचरा प्रबंधन जैसे कार्यों में ही किया जा सकता है। इसके बावजूद ग्राम पंचायत सचिवों ने इस धनराशि को सड़क निर्माण, पंचायत भवन और अन्य सामान्य विकास कार्यों में खर्च कर दिया। जांच में फरह, चौमुहां, छाता, बलदेव, नौहझील, गोवर्धन और मथुरा विकासखंड की 21 ग्राम पंचायतों में अनियमितता सामने आई है। वहीं मामले में दो ग्राम पंचायत सचिवों ने अब तक कोई भी स्पष्टीकरण नहीं दिया है। विभागीय कार्रवाई के बाद पंचायत विभाग में हलचल मची हुई है। अब संबंधित सचिवों के खिलाफ आगे की कार्रवाई पर भी नजर बनी हुई है।

दुधारा थाने पर आगामी त्यौहारों (दीपावली, धनतेरस, लक्ष्मी पूजा एवं भाईदूज) के दृष्टिगत पीस कमेटी एवं डीजे संचालकों की बैठक संपन्न



वेलकम इंडियासंवाददाता

संतकबीरनगर। रविवार को थाना दुधारा परिसर में थानाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता मे आगामी पर्वों दीपावली, धनतेरस, लक्ष्मी पूजा और भाईदूज को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना दुधारा परिसर में पीस कमेटी, डीजे संचालकों, मूर्ति स्थापना समितियों और क्षेत्र के संभ्रान्त नागरिकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान शासन प्रशासन द्वारा दिशा-निदेर्शों से सभी उपस्थित लोगों को अवगत कराया गया, सभी डीजे संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वे सर्वोच्च न्यायालय एवं शासन द्वारा निर्धारित ध्वनि सीमा और नियमों के भीतर ही डीजे का संचालन करें।

नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मूर्ति आयोजकों को मूर्तियों की ऊंचाई निर्धारित मानकों के अनुरूप रखने तथा पंडालों के आसपास सुरक्षा की दृष्टि से अनिवार्य रूप से सीसीटीवी कैमरे लगवाने के निर्देश दिए गए। थानाध्यक्ष महोदय ने सभी से अपील की कि त्यौहारों को आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाएं। किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। बैठक में उपस्थित सभी संभ्रान्त व्यक्तियों और समितियों के पदाधिकारियों ने पुलिस प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस दौरान क्षेत्र के तमाम गणमान्य नागरिक और पुलिस कर्मी उपस्थित रहे।

वृंदावन में 14वीं मंजिल से गिरकर 67 वर्षीय बुजुर्ग की मौत

मथुरा। वृंदावन के रुक्मिणी विहार स्थित संस्कार सिटी में रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में 67 वर्षीय बुजुर्ग की 14वीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान अशोक कपूर पुत्र द्वारिका प्रसाद कपूर के रूप में हुई है। वह मूल रूप से दिल्ली के दिलशाद गार्डन के निवासी थे और पिछले आठ महीने से वृंदावन के रुक्मिणी विहार स्थित पारस प्राइड में किराये पर रह रहे थे। रविवार सुबह वह संस्कार सिटी की 14वीं मंजिल से नीचे गिर गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतक की पत्नी ने बताया कि अशोक कपूर पिछले करीब चार वर्षों से मानसिक रूप से परेशान चल रहे थे। संस्कार सिटी निवासी मनोज सिंह माचिया (55) से उनकी मित्रता भी थी।

पॉक्सो एक्ट और दुष्कर्म के मुकदमे में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

वेलकम इंडियासंवाददाता

संतकबीरनगर। जनपद में अपराधियों और वांछित अभियुक्तों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना दुधारा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने पॉक्सो एक्ट एवं दुष्कर्म से संबंधित मुकदमे में वांछित चल रहे अभियुक्त को मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान अली हुसैन पुत्र सरवर अली उर्फ बेचू, निवासी पचपोखरिया के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, थानाध्यक्ष दुधारा सुरेन्द्र कुमार सिंह के निर्देशन में उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह, उपनिरीक्षक नन्दा प्रसाद और मुख्य आरक्षी मोतीलाल यादव क्षेत्र में भ्रमणशील थे। पुलिस टीम विगरामीर रोड पर अपराध की रोकथाम और वांछित अभियुक्तों की तलाश में जुटी हुई थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि मुकदमा संख्या 423/2026 से संबंधित वांछित अभियुक्त अली हुसैन नौवागांव तिराहे पर कहीं जाने के लिए वाहन का इंतजार कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए मुखबिर की निशानदेही पर नौवागांव तिराहे के पास पहुंचकर घेराबंदी की और अभियुक्त को मौके से पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम अली हुसैन बताया। पुलिस ने नियमानुसार गिरफ्तारी का कारण बताते हुए रविवार सुबह करीब 7:10 बजे उसे हिरासत में ले लिया। पुलिस के मुताबिक, अभियुक्त के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 87, 137(2), 64(2)(एम) तथा पॉक्सो अधिनियम की धारा 5एल/6 के तहत मुकदमा दर्ज है। मामले में वह काफी समय से वांछित चल रहा था। इस कार्रवाई को थाना दुधारा पुलिस की महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन व्यवस्था बदलने की तैयारी, वीआईपी के लिए पंजीकरण योजना

श्रद्धालुओं को धक्कामुक्की से बचाकर सुगम दर्शन कराने की तैयारी; ढाई महीने में मंदिर को मिला 5.37 करोड़ रुपये का दान

वेलकम इंडियासंवाददाता

मथुरा। वृंदावन के विश्वप्रसिद्ध श्रीबांकेबिहारी मंदिर में दीपावली और कार्तिक मास के दौरान उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए दर्शन व्यवस्था बेहतर बनाने की कवायद तेज हो गई है। मंदिर में प्रवेश और निकास को सुचारु बनाने के साथ श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं सुलभ दर्शन कराने के लिए नई व्यवस्था तैयार की जा रही है। इसके तहत वीआईपी प्रोटोकॉल के अंतर्गत आने वाले विशिष्ट व्यक्तियों, उनके परिजनों और सेवायत गोस्वामियों के शिष्यों के लिए एक दिन पहले अग्रिम पंजीकरण की व्यवस्था लागू करने पर विचार किया जा रहा है। इसी सिलसिले में श्रीबांकेबिहारी मंदिर हाईपावर्ड मैनेजमेंट कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को नगर के लक्ष्मण शहीद स्मारक भवन स्थित कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कमेटी के अध्यक्ष अशोक कुमार ने की। इसमें दीपावली और कार्तिक मास के दौरान मंदिर में बढ़ने वाली श्रद्धालुओं की संख्या, भीड़ नियंत्रण, प्रवेश एवं निकास व्यवस्था तथा दर्शन को अधिक सुविधाजनक बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक के बाद कमेटी के अध्यक्ष अशोक कुमार सहित अन्य सदस्य श्रीबांकेबिहारी मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने ठाकुरजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद मंदिर के सेवायत गोस्वामियों के साथ बैठक कर श्रद्धालुओं को सुगमता से दर्शन कराने की व्यवस्था पर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान मंदिर परिसर की मौजूदा व्यवस्थाओं और भीड़ के दबाव को देखते हुए आवश्यक सुधारों पर भी चर्चा हुई। मंदिर प्रबंधन की ओर से प्रस्तावित योजना के अनुसार वीआईपी प्रोटोकॉल के तहत दर्शन करने आने वाले विशिष्ट व्यक्तियों और उनके परिजनों तथा सेवायत गोस्वामियों के शिष्यों को एक दिन पहले पंजीकरण कराकर दर्शन कराने की व्यवस्था बनाई जा सकती है। इसका उद्देश्य अचानक बढ़ने वाली भीड़ और अव्यवस्थित आवागमन को नियंत्रित करना है, ताकि सामान्य श्रद्धालुओं को भी दर्शन के दौरान किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। हालांकि, इस व्यवस्था को लेकर अभी अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। मंदिर के सेवायत गोस्वामियों के सुझावों और मौके की परिस्थितियों का आकलन करने के बाद ही इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। कमेटी का प्रयास है कि किसी भी नई व्यवस्था को लागू करने से पहले सभी संबंधित पक्षों से विचार-विमर्श किया जाए।



दीपावली और कार्तिक मास में वृंदावन आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में काफी वृद्धि होती है। विशेष रूप से श्रीबांकेबिहारी मंदिर में दर्शन के लिए देशभर से भक्त पहुंचते हैं। ऐसे में मंदिर परिसर और आसपास के मार्गों पर भीड़ का दबाव बढ़ जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए मंदिर में प्रवेश और निकास के रास्तों को व्यवस्थित करने, भीड़ को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बैठक के दौरान मंदिर में प्राप्त दानराशि का विवरण भी सामने आया। कमेटी के अध्यक्ष अशोक कुमार ने बताया कि पिछले ढाई महीने में श्रीबांकेबिहारी मंदिर को 5 करोड़ 37 लाख रुपये की दानराशि प्राप्त हुई है। अभी मंदिर की चार दानपेटिकाएं (गोलक) खुलना बाकी हैं। इनके खुलने के बाद कुल दानराशि 6 करोड़ रुपये से अधिक पहुंचने की संभावना जताई गई है। उन्होंने बताया कि पूर्व में इसी अवधि में मंदिर को लगभग साढ़े चार करोड़ रुपये की दानराशि प्राप्त होती थी। इस बार दानराशि में करीब डेढ़ करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। शेष चार गोलकों की गणना के बाद दानराशि का अंतिम आंकड़ा स्पष्ट होगा। कुल मिलाकर दीपावली और कार्तिक मास के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगम दर्शन को लेकर मंदिर प्रबंधन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। प्रस्तावित नई व्यवस्था का अंतिम स्वरूप तय होने के बाद श्रद्धालुओं को दर्शन संबंधी सुविधाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

गोपनीय खरीद में पकड़ी गई शराब की ओवररेटिंग

जिला आबकारी अधिकारी ने 75 हजार रुपये का लगाया जुमार्ना

वेलकम इंडियासंवाददाता

मथुरा। जनपद में शराब की दुकानों पर निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत वसूलने और अवैध मदिरा की बिक्री पर रोक लगाने के लिए आबकारी विभाग ने सख्ती तेज कर दी है। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष प्रवर्तन अभियान के तहत जिला आबकारी अधिकारी उपेंद्र सिंह ने स्वयं गोपनीय खरीद कर शराब की दुकान पर ओवररेटिंग का मामला पकड़ा। कार्रवाई के बाद संबंधित दुकान के अनुज्ञापी पर 75 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया है। जिला आबकारी अधिकारी उपेंद्र सिंह ने बताया कि ओवररेटिंग और अवैध मदिरा की बिक्री के संबंध में दूरभाष तथा आईजीआरएस पोर्टल के माध्यम से शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने कंपोजिट मदिरा दुकान बठैन मोड़, थाना कोसी कलां पर स्वयं पहुंचकर गोपनीय तरीके से मदिरा की खरीद की और निर्धारित मूल्य के अनुसार बिक्री की जांच की। जांच के दौरान विक्रेता द्वारा मदिरा की निर्धारित कीमत से अधिक धनराशि वसूल किए जाने की पुष्टि हुई। इसके बाद आबकारी विभाग ने संबंधित अनुज्ञापी को नोटिस जारी करते हुए 75,000 रुपये (पचहत्तर हजार रुपये) का अर्थदंड आरोपित किया। साथ ही दुकान संचालक को कड़ी चेतावनी दी गई कि भविष्य में ओवररेटिंग की पुनरावृत्ति होने पर दुकान का अनुज्ञापन निर्लंबित करने के साथ ही अग्रिम विधिक कार्रवाई भी की जाएगी। जिला आबकारी अधिकारी उपेंद्र सिंह ने स्पष्ट किया कि जनपद में शराब की दुकानों पर निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जंगल की खूबसूरती और डैम में नौकायन का मिलेगा आनंद, चूका बीच पहुंचने लगे सैलानी

वन मंत्री अरुण कुमार सक्सेना ने हवन-पूजन के साथ किया पर्यटन सत्र का शुभारंभ







वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती

पूरनपुर/पीलीभीत। तराई के घने जंगलों के बीच प्राकृतिक सौंदर्य की अनूठी छटा बिखेरने वाला पीलीभीत टाइगर रिजर्व का प्रसिद्ध चूका पिकनिक स्पॉट आखिरकार पांच महीने के लंबे इंतजार के बाद पर्यटकों के लिए खोल दिया गया। सोमवार को वन मंत्री अरुण कुमार सक्सेना ने हवन-पूजन के साथ नए पर्यटन सत्र का विधिवत शुभारंभ किया। पर्यटन सत्र शुरू होने की खबर मिलते ही वन्यजीव प्रेमियों और सैलानियों में उत्साह दिखाई दिया। उद्घाटन समारोह में पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान, बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद और बीसलपुर विधायक विवेक कुमार भी मौजूद रहे।कार्यक्रम के दौरान वन मंत्री और जनप्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखाकर सफारी वाहनों को जंगल भ्रमण के लिए रवाना किया।इसके साथ ही चूका बीच पर नए पर्यटन सत्र की शुरूआत हो गई। पहले दिन ही बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंचे। विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भी जंगल के प्राकृतिक वातावरण, हरियाली और पर्यटन स्थल की खूबसूरती का आनंद लिया।सैकड़ों सैलानियों की मौजूदगी से चूका स्पॉट पर पूरे दिन रौनक बनी रही।इस दौरान प्रभागीय वनाधिकारी मनीष कुमार ने लोगों को मिठाई वितरित कर पर्यटन सत्र की शुरूआत की खुशियां साझा कीं। नए पर्यटन सत्र को देखते हुए वन विभाग की ओर से चूका स्पॉट पर व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की तैयारी की गई है। यहां पर्यटकों के ठहरने के लिए बनी हटों की मरम्मत कराने के साथ रंगाई-पुताई कराई गई है। इससे सैलानियों को जंगल के बीच प्राकृतिक वातावरण में समय बिताने का बेहतर अनुभव मिल सकेगा।विभाग का प्रयास है कि पर्यटकों को सुविधाजनक व्यवस्था के साथ पीलीभीत टाइगर रिजर्व की प्राकृतिक सुंदरता से रूबरू कराया जाए। पर्यटन सत्र में शारदा सागर डैम में नौकायन के लिए तैयार की गई नई जेटी पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है। फाइबर से निर्मित तैरने वाली इस संरचना के जरिए सैलानी डैम में नौकायन का आनंद ले सकेंगे। शांत जलराशि, चारों ओर फैली हरियाली और जंगलों के बीच सूर्यास्त का मनोरम दृश्य चूका बीच की खूबसूरती को और खास बनाता है। महोफ रेंज में स्थित चूका बीच अपनी प्राकृतिक सुंदरता, घने जंगलों, वन्यजीवों और पक्षियों की चहचहाहट के लिए प्रसिद्ध है। वहीं बराही रेंज में स्थित सप्त सरोवर भी पर्यटकों के लिए खास आकर्षण रखता है। जंगल के बीच बनी हटों में ठहरने का अनुभव सैलानियों को प्रकृति के और करीब ले जाता है। यही वजह है कि हर साल पर्यटन सत्र शुरू होने का इंतजार देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले प्रकृति प्रेमियों को रहता है। पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ वन्यजीवों और पर्यावरण की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए वन विभाग ने पर्यटकों के लिए नियम निर्धारित किए हैं। चूका स्पॉट पर मांस, शराब और पॉलीथिन ले जाना प्रतिबंधित है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ जुमार्ने की कार्रवाई की जा सकती है। विभाग का उद्देश्य जंगल की प्राकृतिक सुंदरता और जैव विविधता को सुरक्षित रखते हुए ईको टूरिज्म को प्रोत्साहित करना है।पीलीभीत टाइगर रिजर्व जैव विविधता के लिहाज से भी बेहद समृद्ध है। यहां 127 से अधिक वन्यजीव प्रजातियों, करीब 326 पक्षी प्रजातियों और 2100 से अधिक फूलदार पौधों की मौजूदगी इसकी प्राकृतिक संपदा को दशार्ती है। चूका बीच के खुलने से जिले में पर्यटन गतिविधियों को नई गति मिलने के साथ होटल, परिवहन, खानपान और स्थानीय कारोबार से जुड़े लोगों को भी लाभ मिलने की उम्मीद है।

सरदार पटेल की जयंती पर एकता और अखंडता का दिया संदेश, बीसलपुर में भव्य समारोह आयोजित

राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी और पूर्व मंत्री भगवत सरन गंगवार ने मुख्य अतिथि के रूप में की शिरकत, डॉ. रत्नेश गंगवार रहे कार्यक्रम के संयोजक

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती



बीसलपुर/पीलीभीत। बीसलपुर में लौहपुरुष एवं भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को भव्य समारोह का आयोजन किया गया। देव मैरिज लॉन में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और क्षेत्रीय गणमान्य लोग शामिल हुए। समारोह में सरदार पटेल के व्यक्तित्व, संघर्ष और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को याद करते हुए उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी और पूर्व मंत्री भगवत सरन गंगवार मौजूद रहे। समारोह की अध्यक्षता सपा जिलाध्यक्ष धर्मेश गंगवार ने की, जबकि आयोजन की जिम्मेदारी पूर्व ब्लॉक प्रमुख एवं बीसलपुर विधानसभा क्षेत्र से आवेदक डॉ. रत्नेश गंगवार ने संभाली।समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राजकुमार भाटी ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी। आजादी के बाद रियासतों के एकीकरण में उनके योगदान को देश हमेशा याद रखेगा। उनका दृढ़ संकल्प, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र के प्रति समर्पण आज भी सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि महापुरुषों के विचारों को केवल समारोह तक सीमित रखने के बजाय उन्हें अपने व्यवहार और सामाजिक जीवन में उतारने की जरूरत है।पूर्व मंत्री भगवत सरन गंगवार ने कहा कि सरदार पटेल ने देश को एक सूत्र में पिरोने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उनके आदर्शों को अपनाकर समाज में आपसी भाईचारा, सद्भाव और एकता को मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने लोगों से महापुरुषों के विचारों का अनुसरण करने का आह्वान किया।सपा जिलाध्यक्ष धर्मेश गंगवार ने कहा कि सरदार पटेल का जीवन दृढ़ इच्छाशक्ति, सामाजिक समरसता और एकता का प्रतीक है। उनके बताए मार्ग पर चलते हुए समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर आगे बढ़ना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम संयोजक डॉ. रत्नेश गंगवार ने अतिथियों, पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकताओं और उपस्थित लोगों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य महापुरुषों के विचारों और उनके ऐतिहासिक योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। समारोह में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों, कार्यकताओं सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

गढ़वा खेड़ा में बंदरों का खौफ, घरों से निकलने में डर रहे ग्रामीण

वेलकम इंडिया संवाददाता



गोरा/पीलीभीत। थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के गढ़वा खेड़ा गांव में बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। बंदरों के झुंड गांव में घूमकर लोगों पर हमला कर रहे हैं। आए दिन हो रही घटनाओं से ग्रामीणों में भय और दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों के मुताबिक अब तक कई लोगों को बंदर काटकर घायल कर चुके हैं, लेकिन समस्या से निजात दिलाने के लिए संबंधित विभाग की ओर से कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है।ग्रामीणों का कहना है कि बंदरों के झुंड अचानक लोगों पर हमला कर देते हैं। घरों के बाहर निकलने, रास्तों से गुजरने और रोजमर्रा के काम निपटाने के दौरान लोगों को काफी सतर्क रहना पड़ता है। बंदरों का सबसे अधिक खतरा बच्चों और बुजुर्गों को बना हुआ है। कई बार बंदर लोगों को दौड़ा लेते हैं और मौका मिलते ही काटकर घायल कर देते हैं। इससे ग्रामीणों में हर समय किसी अनहोनी की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों के अनुसार बंदरों के झुंड घरों के आसपास पहुंचकर उत्पात मचाते हैं। उनके डर से लोगों ने घरों के बाहर बैठना तक कम कर दिया है। बच्चों को अकेले बाहर भेजने में भी परिवार के सदस्य घबराते हैं। जरूरी काम से निकलने वाले लोगों को भी रास्तों पर बंदरों के हमले का खतरा बना रहता है।ग्रामीणों ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि लगातार घटनाएं होने के बावजूद अब तक समस्या को गंभीरता से नहीं लिया गया है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते बंदरों को पकड़ने या उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की व्यवस्था नहीं की गई तो भविष्य में कोई बड़ी घटना हो सकती है। ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारियों से गांव में टीम भेजकर बंदरों को पकड़वाने और निगरानी की व्यवस्था कराने की मांग की है। साथ ही घायलों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जल्द प्रभावी कार्रवाई करने की अपील की है। फिलहाल गढ़वा खेड़ा सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों में बंदरों के आतंक से लोग परेशान हैं और वन विभाग की कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं।

लूटकांड में अंतर्जनपदीय गैंग के चार शातिर गिरफ्तार, लूटी और चोरी की बाइक बरामद



वेलकम इंडिया/मयूर खान

आगरा। अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस कमिश्नर आगरा दीपक कुमार के निर्देशन में जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्रवाई करते हुए थाना सदर बाजार, सर्विलांस और एसओजी की संयुक्त टीम ने लूट की घटना में संलिप्त अंतर्जनपदीय गैंग के चार शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त लूट की घटना में शामिल थे। संयुक्त पुलिस टीम ने कार्रवाई के दौरान उनके कब्जे से लूट की घटना में गई एक मोटरसाइकिल बरामद की। इसके अलावा वारदात में इस्तेमाल की गई एक चोरी की मोटरसाइकिल भी बरामद हुई है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस टीम द्वारा अभियुक्तों से पूछताछ कर गैंग से जुड़े अन्य मामलों और सदस्यों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और लूट, चोरी समेत आपराधिक घटनाओं में संलिप्त लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में अपर पुलिस उपायुक्त नगर/अपराध कमिश्नरेट आगरा मनोज कुमार यादव ने जानकारी दी।

चंदिया हजारा मे फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन, रोमांचक मुकाबले में पीलीभीत की टीम ने मारी बाजी

पीलीभीत और गोला की टीमों के बीच हुआ कड़ा मुकाबला, पेनाल्टी शूटआउट में पीलीभीत ने दर्ज की जीत

वेलकम इंडिया संवाददाता



पूरनपुर/पीलीभीत। स्वामी विवेकानंद स्पोर्ट्स क्लब चंदिया हजारा की ओर से सोमवार को 1 नवंबर को फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में पीलीभीत और गोला की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी। निर्धारित खेल के दौरान दोनों टीमें बराबरी पर रहीं। इसके बाद पेनाल्टी शूटआउट के माध्यम से मुकाबले का निर्णय हुआ, जिसमें पीलीभीत की टीम ने जीत हासिल कर प्रतियोगिता अपने नाम कर ली।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. दीपक गंगवार तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जसकरन सिंह (समाजसेवी) मौजूद रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास के साथ उनमें अनुशासन, एकता और आपसी भाईचारे की भावना को मजबूत करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह की खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन से स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है।आयोजक कमेटी की ओर से विजेता टीम के लिए 31 हजार रुपये नकद और ट्रॉफी तथा उपविजेता टीम के लिए 15 हजार रुपये नकद और ट्रॉफी निर्धारित की गई थी। विजेता टीम को डॉ. दीपक गंगवार की ओर से तथा उपविजेता टीम को डॉ. अरविंद मंडल की ओर से पुरस्कार प्रदान किया जाना तय किया गया। प्रतियोगिता के आयोजन में अध्यक्ष विजय सरला, उपाध्यक्ष प्रमोद मिश्रा, सचिव मोहन राय और कोषाध्यक्ष मनोज सरकार सहित आयोजन समिति के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। ग्राम प्रधान बाबूदेव सहित क्षेत्र के गणमान्य लोगों और खेल प्रेमियों ने भी सहयोग किया।इस दौरान करमजीत सिंह, परमजीत सिंह, समन राय, दिलीप वर्मा, विपिन मंडल, कुंवर सरैया, भगवत सरदार, दीपंकर हलदार, निरंजन मंडल, पुनीत सरकार सहित अन्य सहयोगी मौजूद रहे। प्रतियोगिता को देखने के लिए बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे। आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना और युवाओं को खेलों के प्रति जागरूक करना रहा।

कैंसर पीड़ित बच्चों की मदद के लिए लायंस क्लब प्रयागराज प्रमिला की अनूठी पहल, 'निर्मल 2.0' में प्रतिभाओं ने बिखेरा जलवा

टैलेंट सर्च कार्यक्रम से जुटाई गई पूरी धनराशि बच्चों के इलाज में होगी खर्च, गायन, नृत्य और रैंप वॉक प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने दिखाई प्रतिभा; 300 से अधिक लोग हुए शामिल

वेलकम इंडिया संवाददाता





प्रयागराज। सामाजिक सेवा और जरूरतमंदों की सहायता के उद्देश्य से लायंस क्लब प्रयागराज प्रमिला की ओर से पीडियाट्रिक कैंसर यानी बच्चों में होने वाले कैंसर से पीड़ित बच्चों की मदद के लिए विशेष पहल की गई। इसी क्रम में क्लब द्वारा केजीएफ विला, प्रयागराज में फंड जुटाने के उद्देश्य से टैलेंट सर्च कार्यक्रम 'निर्मल 2.0' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के बच्चों, युवाओं और महिलाओं ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। इस आयोजन से प्राप्त होने वाली संपूर्ण धनराशि कैंसर पीड़ित बच्चों के उपचार में खर्च की जाएगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन पीएमजेएफ उदय चंदानी रहे। समारोह में लायंस क्लब परिवार के सदस्यों के साथ शहर की अनेक जानी-मानी हस्तियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मनोरंजन और प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के साथ-साथ गंभीर बीमारी से जूझ रहे बच्चों के इलाज के लिए आर्थिक सहयोग जुटाना रहा। इस नेक पहल को उपस्थित लोगों ने सराहा और आयोजन में बढ़-चढ़कर सहयोग किया। 'निर्मल 2.0' के अंतर्गत गायन, नृत्य और रैंप वॉक सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें छोटे बच्चों से लेकर महिलाओं तक ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपनी कला, आत्मविश्वास और रचनात्मकता से दर्शकों का मन मोह लिया। मंच पर प्रस्तुतियों के दौरान उपस्थित लोगों ने तालियों के साथ प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता के विभिन्न वर्गों में विजेताओं का चयन निर्णायक मंडल द्वारा किया गया। मिस प्रयागराज का खिताब वंदना पाल ने हासिल किया, जबकि मिसेज प्रयागराज का खिताब शबीना आलम के नाम रहा। वहीं गोल्डन ग्रेस का सम्मान नीरजा सचदेवा को प्रदान किया गया। नृत्य प्रतियोगिता के अलग-अलग वर्गों में अदिति सिंह, गौरी सिंह, अदिति जायसवाल और वरुणी सोनी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। सभी विजेताओं को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। गायन प्रतियोगिता में शकान्या मिश्रा, अनिका कुशवाहा, वंश कुमार और प्राप्ति नाथ ने अपने-अपने वर्गों में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतिभागियों की गायन प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों का ध्यान आकर्षित किया। रैंप वॉक प्रतियोगिता में दिविशा गुप्ता, लिबा मरियम, आध्या मनोहर और खुशी पांडे ने अलग-अलग वर्गों में प्रथम स्थान हासिल किया। प्रतिभागियों ने आकर्षक प्रस्तुति, आत्मविश्वास और शानदार अंदाज के साथ मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाई। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। वहीं प्रत्येक प्रतियोगिता के प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।इससे प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ा और उन्हें आगे भी अपनी प्रतिभा निखारने के लिए प्रोत्साहन मिला। कार्यक्रम में प्रयागराज की प्रतिष्ठित हस्तियों को निर्णायक मंडल में शामिल किया गया था। रैंप वॉक प्रतियोगिता का मूल्यांकन जया मिश्रा और राजश्री मिश्रा ने किया। वहीं अन्य प्रतियोगिताओं में राधा सक्सेना, मिश्र बंधु, शुभ्रा चतुर्वेदी और वर्षा अग्रवाल ने निर्णायक की भूमिका निभाई। निर्णायकों ने प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन करते हुए विजेताओं का चयन किया। इस भव्य आयोजन में 300 से अधिक लोग शामिल हुए। लायंस क्लब परिवार की जानी-मानी हस्तियों के साथ शहर के गणमान्य नागरिकों ने भी कार्यक्रम में पहुंचकर आयोजन की शोभा बढ़ाई। सभी ने बच्चों के कैंसर उपचार के लिए धनराशि जुटाने की इस पहल की सराहना की।

कार्यक्रम को सफल बनाने में क्लब की संस्थापक लायन तृप्ति पंवार, लायन जया मनोहर, लायन आकांक्षा जायसवाल और लायन आयुषी अग्रवाल सहित क्लब के सभी सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अलावा लियो क्लब रेनबो के सदस्यों ने भी आयोजन की व्यवस्थाओं में सक्रिय सहयोग किया।लियो क्लब रेनबो की अध्यक्ष लियो पार्णिका सिंह और लियो शांभवी शर्मा ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विशेष मेहनत की।

पीडीए में पासी समाज की भागीदारी कहां? सूरज पासी ने सपा से पूछा सवाल

पलिया में लाखन आर्मी की जनसभा में बोले राष्ट्रीय अध्यक्ष– 'शराब से नाता तोड़िए, शिक्षा से नाता जोड़िए'; महाराजा कंसा पासी के किले और शिव मंदिर के संरक्षण की उठाई मांग

वेलकम इंडिया/मोहम्मद असलम

लखीमपुर-खीरी। महाराजा कंसा पासी के ऐतिहासिक किले और उनके आराध्य भगवान शिव के मंदिर के संरक्षण एवं सुरक्षा की मांग को लेकर लाखन आर्मी का जनजागरण अभियान जारी है। इसी क्रम में रविवार को पलिया विधानसभा क्षेत्र में लाखन आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरज पासी ने जनसभा को संबोधित करते हुए पासी समाज से अपने गौरवशाली इतिहास को पहचानने, शिक्षा से जुड़ने और नशे से दूर रहने की अपील की। सूरज पासी ने समाजवादी पार्टी की पीडीए राजनीति पर सवाल उठाते हुए पूछा कि पीडीए में पासी समाज की वास्तविक भागीदारी कहां है? उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान संविधान खतरे में होने का मुद्दा उठाकर समाज को बरगलाने की कोशिश की जाती है। समाज को राजनीतिक दलों के नारों से आगे बढ़कर अपने इतिहास, सम्मान और अधिकारों के प्रति जागरूक होना होगा। सूरज पासी ने कहा कि शिक्षा समाज की उन्नति का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। शिक्षित होकर ही पासी समाज अपने महापुरुषों, ऐतिहासिक विरासत और गौरवशाली परंपराओं को जान सकेगा। उन्होंने कहा कि बहादुरी और ऐतिहासिक योगदान के लिए पहचाने जाने वाले पासी समाज को आज अपने ही इतिहास से दूर किया जा रहा है। उन्होंने देवा पासी का उल्लेख करते हुए कहा कि आज देवा शरीफ को तो लोग जानते हैं, लेकिन देवा पासी के ऐतिहासिक योगदान को भुला दिया





गया है। उनके अनुसार, समाज को अपने महापुरुषों के इतिहास को संरक्षित करने के लिए स्वयं आगे आना होगा। लाखन आर्मी प्रमुख ने महाराजा कंसा पासी के ऐतिहासिक किले और भगवान शिव मंदिर के संरक्षण का मुद्दा उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि पासी समाज लंबे समय से अपने ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण की मांग कर रहा है, लेकिन विपक्षी दलों के नेताओं ने इस मुद्दे पर अपेक्षित आवाज नहीं उठाई। सूरज पासी ने कहा कि यदि समाज एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करे, तो ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण की मांग को मजबूती मिल सकती है। उन्होंने समाज से अपनी सांस्कृतिक जड़ों और विरासत के प्रति जागरूक रहने की अपील की। सूरज पासी ने चुनावी राजनीति में संविधान खतरे में होने के मुद्दे पर सवाल उठाते हुए कहा कि चुनाव के दौरान इस तरह के नारे लगाए जाते हैं, लेकिन चुनाव समाप्त होने के बाद यह मुद्दा पीछे छूट जाता है उन्होंने कहा कि समाज को राजनीतिक नारों के बजाय अपने अधिकारों, शिक्षा और सामाजिक विकास पर ध्यान देना चाहिए। उनके मुताबिक, पासी समाज को अपनी पहचान और सम्मान के लिए स्वयं जागरूक होना पड़ेगा। सूरज पासी ने दावा किया कि लखीमपुर खीरी में पासी समाज की आबादी 12 लाख से अधिक है, इसके बावजूद समाज की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने वाला कोई नहीं है। उन्होंने समाज से एकजुट होकर अपनी राजनीतिक और सामाजिक ताकत पहचानने की अपील की। उन्होंने समाजवादी पार्टी की पीडीए राजनीति पर सवाल उठाते हुए पूछा कि राज्यसभा में पासी समाज की कितनी भागीदारी है और नेता प्रतिपक्ष के पद पर किसे नियुक्त किया गया है? उन्होंने कहा कि पीडीए की बात करने वाले राजनीतिक दलों को समाज की वास्तविक भागीदारी पर जवाब देना चाहिए। जनसभा के दौरान सूरज पासी ने पासी समाज को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि समाज की तरक्की के लिए शिक्षा, जागरूकता और एकजुटता जरूरी है। उन्होंने युवाओं से शराब और अन्य नशे से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि समाज को अपने बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उनका कहना था कि शिक्षित और संगठित समाज ही अपने अधिकारों तथा ऐतिहासिक विरासत की रक्षा कर सकता है। सूरज पासी ने कहा कि राजनीतिक दल सनातन समाज को जातियों में बांटकर अपनी राजनीतिक ताकत बढ़ाते हैं। उन्होंने भगवान श्रीराम और सनातन से जुड़े पुराने राजनीतिक नारों का उल्लेख करते हुए कहा कि समाज की एकजुटता कमजोर होने से ऐसी राजनीति को बढ़ावा मिलता है।

'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान को लेकर भाजपा की तैयारी तेज, वाराणसी से एक हजार कार्यकर्ता प्रयागराज जाएंगे

4 नवंबर को प्रयागराज में होगा कार्यक्रम, जिलाध्यक्ष राम शकल पटेल ने मंडल अध्यक्षों को सौंपी कार्यकताओं को जुटाने की जिम्मेदारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी ने आगामी 4 नवंबर को प्रयागराज में आयोजित होने वाले 'लोकतंत्र बचाओ... अराजकता हटाओ' कार्यक्रम की तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में रविवार को रोहनिया के केशरीपुर स्थित क्षेत्रीय कार्यालय पर भाजपा जिलाध्यक्ष राम शकल पटेल की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पदाधिकारियों, विभिन्न मोर्चों के जिलाध्यक्षों और पार्टी के सक्रिय कार्यकताओं ने भाग लिया। बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों, कार्यकताओं की सहभागिता और प्रयागराज पहुंचने की व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा



की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष राम शकल पटेल ने कहा कि 4 नवंबर को प्रयागराज में आयोजित होने वाला 'लोकतंत्र बचाओ... अराजकता हटाओ' कार्यक्रम पार्टी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसमें जिले के सभी पदाधिकारियों, मोर्चा अध्यक्षों और सक्रिय कार्यकताओं को पूरी ताकत के साथ सहभागिता करनी है। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी कार्यकर्ता निर्धारित समय पर सुबह 10 बजे तक प्रयागराज पहुंचना सुनिश्चित करें, ताकि कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भागीदारी हो सके। जिलाध्यक्ष ने बताया कि वाराणसी जिले से लगभग एक हजार भाजपा कार्यकर्ता सैकड़ों चार पहिया वाहनों के काफिले के साथ प्रयागराज के लिए रवाना होंगे। उन्होंने सभी मंडल अध्यक्षों को अपने-अपने क्षेत्रों से अधिक से अधिक कार्यकताओं को कार्यक्रम में शामिल कराने की जिम्मेदारी सौंपी। साथ ही कार्यकताओं के आवागमन और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में जानकारी दी गई कि प्रयागराज में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शामिल होंगे। पार्टी पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आपसी समन्वय के साथ तैयारियों में जुटने का संकल्प लिया। इस दौरान जिला महामंत्री संजीव सिंह गौतम, संजय सोनकर, अजय दूबे, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार मिश्रा, पिछड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष गोविंद दास गुप्ता, अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रताप गौतम, अनुसूचित जनजाति जिलाध्यक्ष विजय गोड, कोषाध्यक्ष जगदीश जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष अश्वनी पांडेय और अमित पटेल 'रिंकू', जिला मंत्री बृजेश राजभर एवं विजय राज यादव, मीडिया प्रभारी अभिषेक त्रिपाठी 'सुमित', युवा मोर्चा उपाध्यक्ष नवीन उपाध्याय, अमित सिंह 'पीयूष', किशन सिंह, जतिन मौर्या, प्रवीण, निहाल, ओपी पटेल और अजय सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वाराणसी में जदयू का राज्य स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आज, संगठन विस्तार और आगामी रणनीति पर होगी चर्चा



वेलकम इंडिया/संदीप तिवारी

वाराणसी/मिजार्मुराद। जनता दल (यूनाइटेड) उत्तर प्रदेश की ओर से राज्य स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन 1 नवंबर 2026, रविवार को वाराणसी में किया जा रहा है। सम्मेलन में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, प्रदेश एवं जिला स्तर के नेता तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे।इस सम्मेलन में पार्टी के संगठन को मजबूत बनाने, उत्तर प्रदेश में संगठन के विस्तार और कार्यकताओं की भूमिका को लेकर चर्चा की जाएगी। साथ ही पार्टी की नीतियों, सामाजिक न्याय, सुशासन और विकास से जुड़े मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। सम्मेलन में बिहार सरकार के मंत्री निशांत कुमार, जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद संजय झा, बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार, मंत्री जमा खां,कुचायकोट से 6 बार के विधायक अमरेंद्र पाण्डेय पप्पु सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी रहेगी। कार्यक्रम को लेकर प्रदेशभर के कार्यकताओं में उत्साह देखा जा रहा है।पार्टी नेताओं के अनुसार, उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठन की भावी रणनीति और पार्टी की भूमिका पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

यातायात माह शुरू होते ही पुलिस का चेकिंग अभियान, नियम तोड़ने वालों के काटे चालान

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर (बुलंदशहर)। यातायात माह नवंबर-2026 के शुभारंभ के साथ ही रविवार को पुलिस ने यातायात नियमों का पालन कराने के लिए चेकिंग और जागरूकता अभियान शुरू कर दिया। इससे पहले वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलंदशहर दिनेश कुमार सिंह ने पुलिस लाइन में यातायात जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान पुलिस लाइन में बच्चों को भी यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया।

इसी क्रम में शिकारपुर क्षेत्र के बरासऊं मंदिर कट स्थित मेरठ-बदायूं हाईवे पर यातायात पुलिसकर्मियों ने चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट और वाहनों में प्रेशर हॉर्न का इस्तेमाल करने सहित यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों के



चालान काटे गए। अभियान का नेतृत्व उपनिरीक्षक सुनील कुमार दीक्षित ने किया। उनके साथ ट्रैफिक पुलिसकर्मी लोकेंद्र कुमार और नवीन कुमार मौजूद रहे। पुलिसकर्मियों ने दोपहिया वाहनों की चेकिंग कर नियमों का उल्लंघन करने वालों के चालान किए, जबकि चौपहिया वाहनों की जांच कर चालकों को चेतावनी दी गई। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने वाहन चालकों को हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से इस्तेमाल करने, निर्धारित यातायात नियमों का पालन करने तथा तेज आवाज वाले प्रेशर हॉर्न का प्रयोग नहीं करने की हिदायत दी। पुलिस ने स्पष्ट किया कि यातायात माह के दौरान जागरूकता अभियान के साथ नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी लगातार जारी रहेगी।

एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय कर्मचारी यूनियन के अध्यक्ष यशवंत गावड़े का भव्य सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह किया गया आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

मुंबई। एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय नॉन-टीचिंग एम्प्लॉईज यूनियन के मान्यता प्राप्त अध्यक्ष और कर्मचारियों के अधिकारों के लिए लंबे समय तक संघर्ष करने वाले यशवंत गावड़े का सेवानिवृत्ति गौरव समारोह शनिवार, 31 अक्टूबर 2026 को चर्चगेट स्थित ऐतिहासिक पाटकर हॉल में भव्य रूप से आयोजित किया गया। समारोह में विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों, शिक्षकों, विभिन्न कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने शामिल होकर उनके दीर्घकालिक योगदान को याद किया तथा भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। यशवंत गावड़े ने एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय में अपने 26 वर्षों के संगठनात्मक कार्यकाल के दौरान कर्मचारियों के





हितों और अधिकारों के लिए लगातार संघर्ष किया। उन्होंने यूनियन के विभिन्न पदों पर रहते हुए कर्मचारियों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया और उन्हें न्याय दिलाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने 12 वर्षों तक महासचिव के रूप में संगठन की जिम्मेदारी संभाली, जबकि पिछले दो वर्षों से वे मान्यता प्राप्त यूनियन के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत रहे। उनके नेतृत्व में कर्मचारियों के हितों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया गया। उनकी लंबी सेवाओं, संगठन के प्रति समर्पण और कर्मचारियों के कल्याण के लिए किए गए उल्लेखनीय कार्यों को सम्मान देने के उद्देश्य से यूनियन की ओर से इस विशेष विदाई एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. हेमलता बागला और कुलसचिव डॉ. विलास नांदवडेकर उपस्थित रहे। इसके अलावा यशवंत गावड़े के मार्गदर्शक एवं यूनियन के पूर्व महासचिव नरेंद्र वरवड़ेकर की विशेष उपस्थिति रही। इस अवसर पर वक्ताओं ने यशवंत गावड़े के संगठनात्मक कौशल, संघर्षशील व्यक्तित्व और कर्मचारी हितों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा कि 26 वर्षों तक संगठन के विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए कर्मचारियों के अधिकारों के लिए उनका योगदान सदैव याद रखा जाएगा। यूनियन की ओर से आयोजित इस गौरव समारोह में विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, प्राध्यापक, विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि, यूनियन के पदाधिकारी और सैकड़ों कर्मचारी शामिल हुए। सभी ने यशवंत गावड़े के समर्पण और सेवाभाव की प्रशंसा करते हुए उनके सेवानिवृत्ति के बाद के जीवन के लिए सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

दुधवा में सफारी बंद होने से सैलानियों को मायूसी, तैयारियों पर सपा प्रदेश सचिव ने उठाए सवाल

पर्यटन सत्र के पहले दिन ही बिगड़ी व्यवस्था, रेहान खान बोले- 2027 में सपा सरकार बनी तो सुधरेंगी सुविधाएं

वेलकम इंडिया/मोहम्मद असलम

लखीमपुर-खीरी। विश्व प्रसिद्ध दुधवा नेशनल पार्क के पर्यटन सत्र 2026-27 की शुरूआत पहले ही दिन अव्यवस्थाओं के बीच होने से पार्क प्रशासन की तैयारियों पर सवाल खड़े हो गए हैं। पर्यटन सत्र के शुभारंभ के मौके पर दुधवा पहुंचे सैलानियों को उस समय निराशा का सामना करना पड़ा, जब जंगल के रास्तों में जलभराव के चलते सफारी संचालन बंद होने की जानकारी मिली। पार्क प्रशासन की ओर से अगले एक सप्ताह तक सफारी संचालन बंद रखने की बात कही गई है। ऐसे में दूर-दराज से दुधवा की प्राकृतिक सुंदरता और वन्यजीवों का दीदार करने पहुंचे पर्यटक बिना सफारी किए ही मायूस होकर लौटने को मजबूर हुए। पर्यटन सत्र की शुरूआत के साथ ही सामने आई इन अव्यवस्थाओं को लेकर समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव रेहान खान ने पार्क प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि दुधवा नेशनल पार्क उत्तर प्रदेश की पहचान और प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यहां देश के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ विदेशों से भी पर्यटक पहुंचते हैं। इसके बावजूद पर्यटन सत्र के पहले ही दिन पर्यटकों को निराशा हाथ लगना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। रेहान खान ने कहा कि पर्यटन सत्र का शुभारंभ कोई अचानक होने वाला कार्यक्रम नहीं था। इसकी तारीख पहले से निर्धारित थी और पार्क प्रशासन को तैयारियों के लिए पर्याप्त समय मिला था। इसके बावजूद सत्र की ओपनिंग के दिन भी पार्क परिसर में सफाई और रंगाई-पुताई का काम चलता रहा। इससे साफ जाहिर होता है कि पर्यटन सत्र शुरू होने से पहले व्यवस्थाओं को पूरी तरह दुरुस्त करने में लापरवाही बरती गई। उन्होंने सवाल



उठाते हुए कहा कि जब पर्यटन सत्र की शुरूआत की तारीख पहले से तय थी, तो जंगल के रास्तों की स्थिति सुधारने के लिए समय रहते कदम क्यों नहीं उठाए गए? पर्यटकों के स्वागत के लिए जरूरी व्यवस्थाएं पहले से पूरी क्यों नहीं की गईं? आखिर ऐसी कौन सी मजबूरी थी कि पर्यटन सत्र के शुभारंभ के दिन भी पार्क परिसर में सफाई और रंगाई-पुताई का काम जारी रखना पड़ा सपा प्रदेश सचिव ने कहा कि दुधवा नेशनल पार्क की प्राकृतिक सुंदरता, दुर्लभ वन्यजीवों और जैव विविधता को देखने के लिए पर्यटक बड़ी उम्मीदों के साथ यहां पहुंचते हैं। लेकिन हल्की बारिश के बाद ही जंगल के रास्तों में जलभराव होने से सफारी संचालन प्रभावित होना पार्क की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि पर्यटक दुधवा आने के लिए समय और पैसा खर्च करते हैं। होटल, यात्रा और अन्य व्यवस्थाओं की योजना बनाकर यहां पहुंचते हैं। ऐसे में यदि उन्हें पार्क पहुंचने के बाद सफारी बंद होने की जानकारी मिलती है, तो उनकी यात्रा का उद्देश्य ही अधूरा रह जाता है। इससे न केवल पर्यटकों को आर्थिक और मानसिक परेशानी होती है, बल्कि दुधवा की पर्यटन छवि पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। रेहान खान ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने और उत्तर प्रदेश को पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने के दावे कर रही है। लेकिन जमीनी स्तर पर दुधवा जैसे महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल पर पर्यटकों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं। उन्होंने कहा कि पर्यटन केवल प्रचार और बड़े-बड़े आयोजनों से नहीं बढ़ता, बल्कि इसके लिए मजबूत बुनियादी ढांचा, बेहतर सड़कें, सुरक्षित सफारी मार्ग, साफ-सफाई, पर्यटकों के लिए सुविधाएं और प्रभावी प्रबंधन जरूरी है। दुधवा में पर्यटन सत्र के पहले ही दिन सामने आई अव्यवस्थाएं यह बताती हैं कि व्यवस्थाओं को लेकर गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि दुधवा नेशनल पार्क की प्राकृतिक संपदा को देखते हुए यहां पर्यटन विकास की अपार संभावनाएं हैं। यदि पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, तो दुधवा देश-विदेश के पर्यटकों के लिए और भी आकर्षक पर्यटन स्थल बन सकता है।

सपा प्रदेश सचिव रेहान खान ने कहा कि वर्ष 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर दुधवा नेशनल पार्क की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की दिशा में काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सैलानियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना, पर्यटन व्यवस्थाओं को मजबूत करना और दुधवा की प्राकृतिक पहचान को संरक्षित रखते हुए पर्यटन को बढ़ावा देना प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि दुधवा केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की प्राकृतिक धरोहर है। इसकी पहचान और प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए जरूरी है कि यहां आने वाले प्रत्येक पर्यटक को बेहतर अनुभव मिले। पर्यटन सत्र शुरू होने से पहले सभी तैयारियां पूरी हों और सैलानियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। रेहान खान ने कहा कि दुधवा की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए गंभीर प्रयासों की आवश्यकता है। पर्यटन सत्र की शुरूआत में ही सामने आई समस्याओं को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि इनके समाधान के लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए, ताकि आने वाले समय में पर्यटकों को ऐसी परेशानियों का सामना न करना पड़े। इस मौके पर लक्ष्मी गौतम, विकास कश्यप, बालक राम (पूर्व डिप्टी एसपी), राज कुमार गौतम, अवनीश चौधरी, रंजीत दिवाकर और अंकित तिवारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मेगा कैम्प से आमजन को न्याय और जनकल्याणकारी योजनाओं का मिला लाभ

जनपद न्यायाधीश विनोद सिंह रावत ने किया उद्घाटन, नि:शुल्क कानूनी सहायता और स्वास्थ्य सुविधाओं की दी जानकारी







कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से रविवार को जनपद न्यायालय परिसर में मेगा कैम्प का आयोजन किया गया। जनपद न्यायाधीश विनोद सिंह रावत ने फीता काटकर शिविर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सचिव नेहा बनौधिया के पर्यवेक्षण में आयोजित शिविर में विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर सरकारी योजनाओं, निःशुल्क विधिक सहायता और स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी दी। रेड क्रॉस सोसाइटी और यशोदा मेडिसिटी ने स्वास्थ्य जागरूकता एवं परीक्षण किया।

मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को सुरक्षा और स्वावलंबन, जबकि पुलिस ने साइबर अपराधों से बचाव तथा यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया।

अग्निशमन विभाग ने सुरक्षा उपाय बताए। जिला कारागार के बंदियों के उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। न्यायिक अधिकारियों ने स्टॉलों का निरीक्षण किया। बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को आकर्षक बनाया।

अखिल भारतीय वैश्य संगठन ने मोदीनगर में पदाधिकारी को सौंपा कार्यभार



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। अखिल भारतीय वैश्य संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जितेंद्र गोयल विशेष रूप से मोदीनगर पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने मोदी नगर से डॉ. ब्रजभूषण बंसल को प्रदेश उपाध्यक्ष, देवराज मित्तल को संगठन मंत्री तथा संजय सिंघल को प्रदेश मंत्री का कार्यभार सौंपा।

बैठक को संबोधित करते हुए पदाधिकारियों ने कहा कि देश और समाज की सेवा ही हमारे समाज का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने सभी से संगठन को मजबूत बनाने और समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

बैठक में श्री सुदेश मित्तल, डॉ. आसाराम, मुकेश गुप्ता, नरेश दानी प्रवीण गुप्ता अश्वनी कंसल, डॉ. संजय अग्रवाल, अमित अग्रवाल, आर. के. गोयल, के. के गुप्ता गुप्ता, अभिषेक अग्रवाल, अभिषेक गोयल सर्वेश मित्तल मोहन गुप्ता प्रमोद गोयल पीके गुप्ता राजेंद्र गुप्ता गिरीश गोयल नरेश मित्तल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जगन्नाथ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में दीपावली उत्सव एवं फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन संपन्न

दीप प्रज्वलन के साथ हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ, नवागत विद्यार्थियों का किया गया स्वागत

अनिल वशिष्ठ



मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। जगन्नाथ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में दीपावली उत्सव एवं फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन उत्साह और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में संस्थान के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूरे परिसर में दीपावली के पर्व की छटा देखने को मिली। कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर दो बजे संस्थान के संस्थापक डॉ देवराज शर्मा सचिव पपण शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद दोपहर 2:20 बजे मुख्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नए विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें संस्थान की शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से परिचित कराया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के बीच आपसी मेलजोल बढ़ाना तथा नवागत विद्यार्थियों को संस्थान के वातावरण से जोड़ना रहा।

दीपावली उत्सव के माध्यम से विद्यार्थियों ने प्रकाश पर्व की खुशियों और आपसी सद्भाव का संदेश दिया। आयोजन के दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। संस्थान प्रबंधन की ओर से कार्यक्रम में शामिल सभी विद्यार्थियों एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। आयोजन हर्षोल्लास और उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे विशेष रूप से पवन सोम खेड़ा जिला महामंत्री भाजपा, अमित तिसावड जिला अध्यक्ष भाजपा अनुसूचित मोर्चा, मंडल अध्यक्ष आकाश शर्मा दीपक गुर्जर उधमी प्रवीन चौधरी नमक वाले महामंत्री विशेष त्यागी शिव सिंह मनीष त्यागी राष्ट्रीय लोक दल के युवा जिला अध्यक्ष राहुल गुर्जर ,पप्पन नरेंद्र शर्मा ,विशेष त्यागी मंडल महामंत्री वरिष्ठ समाजसेवी नरेश नगर, ग्राम प्रधान सुनील दोसा, भाजपा जिला मंत्री वीरेंद्र यादव पूर्व सभासद संजय चौधरी आदि उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय सीनियर पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। एसआरएम विश्वविद्यालय के सामने खेल मैदान में एक दिवसीय स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह, भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री, भारत सरकार स्मृति अखिल भारतीय सीनियर पुरुष कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों ने भाग लिया, बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन की टीम जयपुर पिंक पैंथर्स ने भी इस प्रतियोगिता में भाग लिया। अभी हाल ही में आयोजित एशियाड खेलों में भारतीय कबड्डी टीम का हिस्सा रहे अयान लोचब ने भी अपना सर्वश्रेष्ठ खेल का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में भारतीय थल सेना ,राजीव गांधी स्टेडियम,रोहतक सहित लगभग 20 टीमों ने हिस्सा लिया ' इस कबड्डी प्रतियोगिता में जयपुर पिंक पैंथर ने प्रथम और साई, सोनीपत की टीम ने द्वितीय स्थान और ग्राम फफराना , मोदीनगर की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। डॉङ्क राजकुमार सांगवान सांसद,बागपत , ड्रॉ देवेंद्र शिवाच , श्रीमती कोमल पंवार, उपजिलाधिकारी ,मोदीनगर, अखिलेश दिवेदी ,चेयरमैन छाया पब्लिक स्कूल,डॉङ्क अरुण त्यागी, अमरजीत सिंह बिडडी, डॉङ्क बबली गुर्जर, हर्ष मालिक, कृष्णबीर स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ रहे।

विशिष्ट अतिथि एवं वक्ताओं के रूप में पूर्व सभासद विनोद गौतम, हरपाल सिंह एडवोकेट, हरभजन मास्टर, सुभाष चंद मास्टर, नरेंद्र दरोगा तथा विशिष्ट वक्ता डॉ. कामिनी दीपांकर उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के अंत में जगमोहन सिंह ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

नन्हे पत्रकार प्रतियोगिता में विजेताओं को नगद पुरस्कार, प्रतीक चिह्न एवं प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

अनिल वशिष्ठ



मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। साहित्यिक जागृति मंच, मोदीनगर द्वारा आयोजित 'नन्हे पत्रकार प्रतियोगिता-2026' का निर्णायक मूल्यांकन संपन्न होने के उपरांत डॉ. बी.आर. अम्बेडकर पुस्तकालय, भूपेन्द्रपुरी, मोदीनगर में पुरस्कार वितरण समारोह एवं 'पत्रकारिता और आज का दलित सरोकार : प्रतिनिधित्व, प्रतिरोध और सामाजिक न्याय' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्यिक जागृति मंच के अध्यक्ष डॉ. आशीष दीपांकर ने की तथा संचालन मंच के महासचिव भीम भारत भूषण ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. संतोष कुमार गौतम, एसोसिएट प्रोफेसर, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, जनता पब्लिक स्कूल, मोदीनगर। द्वितीय स्थानः गगन, सहायक विद्यालय माध्यमिक हायर सेकेंडरी, फजलगढ़। तृतीय स्थान (संयुक्त): गुंजन, राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, कलछीना तथा मुस्कान, रुक्मणी मोदी महिला इंटर कॉलेज, मोदीनगर। विजेताओं को मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा माला पहनाकर नगद पुरस्कार, प्रतीक चिह्न एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ. संतोष कुमार गौतम ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि नन्हे पत्रकार ही कल के सजग नागरिक हैं। सच्ची पत्रकारिता में साहस, सत्य और समाज के वंचित वर्गों की आवाज को स्थान मिलना चाहिए।

कॉलेज के नामकरण पर आभार सभा की तैयारियों को लेकर रालोद की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। नगर पंचायत पतला स्थित जनता पी.जी. कॉलेज का नाम बदलकर किसान मसीहा, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं राष्ट्रीय लोकदल के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी अजित सिंह के नाम पर चौधरी अजित सिंह पी.जी. कॉलेज किए जाने के ऐतिहासिक निर्णय के उपलक्ष्य में प्रस्तावित विशाल आभार सभा की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।यह ऐतिहासिक निर्णय प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष, केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह के प्रयासों से संभव हुआ है। इस गौरवपूर्ण निर्णय के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए पतला की जनता एवं राष्ट्रीय लोकदल परिवार द्वारा भव्य आभार सभा आयोजित की जाएगी। बैठक का शुभारंभ लौह पुरुष, भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुआ। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रामपाल चौधरी ने की। मुख्य अतिथि सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा जिला महामंत्री देवेंद्र चौधरी उपस्थित रहे। बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य चौधरी तेजपाल सिंह, प्रदेश अध्यक्ष सहकारिता एवं चेयरमैन अमरजीत सिंह बिल्ठी, नगर पंचायत पतला की चेयरपर्सन श्रीमती रीता चौधरी, अनिल त्यागी, देवेंद्र पतला, आलोक चौधरी, फईम कुरैशी, प्रोफेसर प्रदीप चौधरी, प्रोफेसर प्रतीक चौधरी, ओमबीर सिंह, मास्टर सतपाल सिंह, ब्रह्मपाल सिंह, कृष्ण शर्मा, इंद्रपाल शर्मा, हरिओम शर्मा, मनीष जांगड़ा सहित समस्त सभासद एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बैठक का संचालन क्षेत्रीय महासचिव योगेंद्र पतला ने किया।

उत्थान फाउंडेशन की कार्यशाला में बच्चों ने मिट्टी से बनाए आकर्षक 'शुभ-लाभ', दीपावली उत्सव में बिखरी खुशियाँ

ईशा सचदेवा ने 50 से अधिक बच्चों को सिखाई क्ले मोल्डिंग की कला, खेलकूद व उपहार वितरण से उत्साहपूर्ण रहा माहौल

अनिल वशिष्ठ



मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सामाजिक एवं शैक्षणिक क्षेत्र में सक्रिय उत्थान फाउंडेशन द्वारा संचालित 'बढ़ते कदम योजना के अंतर्गत आयोजित निःशुल्क इंग्लिश स्पीकिंग कक्षाओं में दीपावली के उपलक्ष्य में विशेष रचनात्मक कार्यशाला एवं दीपावली उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 50 से अधिक बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंतर्गत क्रिएटिव आर्ट विशेषज्ञ डॉ. ईशा सचदेवा ने बच्चों को क्ले मोल्डिंग (मिट्टी से कलाकृतियाँ बनाने की कला) का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बच्चों को दीपावली के शुभ अवसर पर घरों की सजावट के लिए मिट्टी से आकर्षक एवं कलात्मक 'शुभ-लाभ' बनाना सिखाया। बच्चों ने अपनी कल्पनाशक्ति और रचनात्मकता का परिचय देते हुए सुंदर एवं रंग-बिरंगी कलाकृतियाँ तैयार कीं। कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों में कलात्मक कौशल, एकाग्रता एवं सृजनात्मक सोच विकसित करना रहा। इस अवसर पर उत्थान फाउंडेशन की संस्थापक सचिव डॉ. सोनिका जैन ने डॉ. ईशा सचदेवा का पटका पहनाकर एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया। उन्होंने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए किताबी शिक्षा के साथ-साथ रचनात्मक गतिविधियाँ भी अत्यंत आवश्यक हैं। ऐसी कार्यशालाएँ बच्चों की छिपी प्रतिभा को निखारने के साथ उनमें आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करती हैं। उन्होंने कहा कि उत्थान फाउंडेशन की 'बढ़ते कदम योजना' का उद्देश्य जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने के साथ उन्हें जीवनोपयोगी कौशल से भी जोड़ना है। फाउंडेशन की सदस्य एवं शिक्षिका कविता गुप्ता ,उत्थान फाउंडेशन की सदस्य ज्योति रानी और मनीषा ने बताया कि दीपावली की खुशियाँ सभी बच्चों के साथ साझा करने के उद्देश्य से उपस्थित 50 से अधिक विद्यार्थियों को मिठाइयाँ एवं बिस्कुट वितरित किए गए। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में आपसी प्रेम, सहयोग, सामाजिक समरसता एवं त्योहारों को मिल-जुलकर मनाने की भावना विकसित करते हैं। कार्यक्रम के दौरान बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। एक ओर बच्चों ने मिट्टी से सुंदर 'शुभ-लाभ' बनाकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा दिखाई, वहीं दूसरी ओर खेलों, उपहारों और मिठाइयों ने दीपावली उत्सव की खुशियों को दोगुना कर दिया। उत्थान फाउंडेशन का यह प्रयास शिक्षा, संस्कार, रचनात्मकता और सामाजिक सरोकारों का सुंदर संगम बनकर सामने आया।

वरिष्ठ नागरिक संस्था की बैठक में कई महत्वपूर्ण विषय पर की चर्चा



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। वरिष्ठ नागरिक संस्था की मासिक बैठक में कई महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा की गई। वरिष्ठ नागरिक संस्था की बैठक जिला परिषद मार्केट स्थित पुस्तकालय में हुई। बैठक में ईश्वर प्रार्थना, हंसो हंसाओ के साथ साथ वरिष्ठजनों के अनुभव एवम् सुझाव लिए गए। विशेष एजेंडा में सभी वरिष्ठ नागरिक संस्था के सदस्यों से अयोध्या दर्शन तथा काशी विश्वनाथ दर्शन, वाराणसी की यात्रा का कार्यक्रम पर विचार विमर्श किया गया।संरक्षक रामेशवर दयाल गुप्ता ने नई कमैटी को कैसे कार्य कर प्रभावी बनाया जावे विभिन्न बिन्दुओ पर प्रकाश डाला। बैठक में संस्था के जिन सदस्यों का जन्मदिन नवम्बर में हुआ प्रकाश गुप्ता, हाजी साबुद्दीन सिद्दीकी, अशोक सिरोही, प्रमोद गुप्ता, अरुण जैन, प्रदीप माहेश्वरी, राजेंद्र प्रसाद, विनेश कुमार, दरियाव सिंह (ब्रजकण),

डॉ वी के बख्शी, रामेश्वर दयाल को जन्मदिन की शुभकामनाएँ और ईश्वर से प्रार्थना है कि सभी दीघार्यु और सुखी जीवन व्यतीत करे। इस मौके पर संस्थापक/अध्यक्षः रकम सिंह,रामेश्वर दयाल गुप्ता, चन्द्र गुप्ता, (पूर्व दरोगा जी), रतनसिंह पूनिया, वीरेंद्र गुप्ता, अशोक सिरोही, हाजी शाहबुद्दीन,अशोक कुमार कंसल,विक्रम सिंह यादव,ब्रजकिशोर गुप्ता,सतेन्द्र नेहरा आदि सदस्य उपस्थित रहे।

गाजियाबाद में यातायात माह का आगाज, महिला पुलिसकर्मियों ने निकाली जागरूकता रैली

हेलमेट, सीट बेल्ट और यातायात नियमों के पालन का दिया संदेश, मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को भी किया जागरूक

कपिल चौहान





गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जिले में एक नवंबर से यातायात माह की शुरूआत हो गई। इस अवसर पर यातायात पुलिस की ओर से जागरूकता रैली निकालकर लोगों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। रैली में महिला पुलिसकर्मियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। महिला ड्राइवरों की भागीदारी ने महिला सशक्तिकरण का संदेश भी दिया।

रैली के माध्यम से वाहन चालकों और आम नागरिकों से हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, तेज रफ्तार से बचने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गई। इसके साथ ही मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं और बेटियों को सुरक्षा, सम्मान एवं उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया।

एडिशनल पुलिस कमिश्नर यातायात एवं कानून-व्यवस्था राजकरण नैय्यर ने यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने पर जोर दिया। यातायात माह के दौरान नवंबर में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पुलिस का उद्देश्य केवल चालान करना नहीं, बल्कि लोगों को यातायात नियमों के प्रति जिम्मेदार बनाकर सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

अहोई अष्टमी का पावन त्यौहार श्रद्धा भाव के साथ मनाया



वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। नगर क्षेत्र में श्री अहोई अष्टमी का पावन त्यौहार श्रद्धा भाव के साथ मनाया। महिलाओं ने व्रत रखा तथा पूजा के साथ-साथ श्री अहोई आठे की व्रत कथा सुनी। महिलाओं ने संतान की दीघार्यु और सुख समृद्धि के लिए व्रत रखा। मास्टर प्रेम चौधरी खंजरपुर के निवास पर अहोई माता का व्रत करती मातांऐ। श्रीमती ओमबाला देवी, मिथलेश,बबीता,नेहा, आशा,शोभना इत्यादि महिलाएं शामिल रही।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया एमएमजी जिला अस्पताल का निरीक्षण, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के निर्देश

निमार्णाधीन भवन का काम जल्द पूरा कराने और चिकित्सकों की कमी दूर करने के लिए शासन को पत्र भेजने के निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने रविवार को गाजियाबाद स्थित एमएमजी जिला अस्पताल का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, आपातकालीन वार्ड और निमार्णाधीन नई बिल्डिंग की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करने, चिकित्सकों की कमी दूर करने और निर्माण कार्य जल्द पूरा कराने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री के अस्पताल पहुंचने पर जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। इस दौरान सांसद अतुल गर्ग, विधायक संजीव शर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सचिन चन्द्र वैश्य, सीएमएस डॉ. राकेश कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।







मरीजों से बातचीत कर जाना सुविधाओं का हाल

ब्रजेश पाठक ने आपातकालीन वार्ड का निरीक्षण कर भर्ती मरीजों से उनके स्वास्थ्य, उपचार और अस्पताल में मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने मरीजों को साफ-सफाई बनाए रखने, खानपान पर ध्यान देने और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की सलाह दी। मरीजों और तीमारदारों ने अस्पताल में मिल रही चिकित्सा सेवाओं तथा कर्मचारियों के व्यवहार पर संतोष जताया।

इस दौरान उन्होंने दुर्घटना में घायल एक मरीज से भी बातचीत की और उसे शराब सहित अन्य नशे से दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति के साथ उसके पूरे परिवार के जीवन को प्रभावित करता है।





नई बिल्डिंग का काम जल्द पूरा कराने के निर्देश

उप मुख्यमंत्री ने अस्पताल परिसर में निमार्णाधीन नई बिल्डिंग का निरीक्षण कर कार्य की प्रगति जानी। उन्होंने निर्धारित मानकों के अनुरूप निर्माण कार्य जल्द पूरा कराने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि बजट की कमी होने पर तत्काल प्रस्ताव शासन को भेजा जाए, ताकि धनराशि उपलब्ध कराकर निर्माण कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जा सके।

उन्होंने अस्पताल परिसर के पुराने भवनों की लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) से तकनीकी जांच कराने के निर्देश भी दिए। जांच में जर्जर और ध्वस्तीकरण योग्य पाए जाने वाले भवनों को नियमानुसार ध्वस्त कराया जाएगा, जबकि उपयोग योग्य भवनों की मरम्मत और जीर्णोद्धार कराया जाएगा।

चिकित्सकों की कमी दूर करने पर जोर

ब्रजेश पाठक ने जनपद में चिकित्सकों के रिक्त पदों की जानकारी लेते हुए कमी दूर करने के लिए शासन को तत्काल पत्र भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन को बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

अधिकारियों और कर्मचारियों को संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करना चाहिए, ताकि मरीजों को उपचार के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

सैकड़ों समर्थकों के साथ दिल्ली पहुंचे सपा नेता सिकंदर यादव, आंदोलन में भरी हुंकार



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। संविधान, लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा के मुद्दे पर आयोजित संविधान बचाओ, वोट बचाओ, देश बचाओ आंदोलन में रविवार को गाजियाबाद के समाजवादी पार्टी नेता सिकंदर यादव ने सैकड़ों समर्थकों और पार्टी कार्यकताओं के साथ अपनी भागीदारी दर्ज कराई। सिकंदर यादव अपने समर्थकों को बस में लेकर गाजियाबाद से दिल्ली पहुंचे और मिंटो रोड से रामलीला मैदान तक निकाले गए मार्च में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कार्यकताओं के साथ संविधान और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के समर्थन में आवाज बुलंद की। दिल्ली में आयोजित आंदोलन में सिकंदर यादव के नेतृत्व में गाजियाबाद से बड़ी संख्या में सपा कार्यकताओं और समर्थकों ने हिस्सा लिया। मिंटो रोड से रामलीला मैदान तक निकाले गए मार्च में शामिल होकर उन्होंने संविधान, लोकतंत्र और आम नागरिकों के मताधिकार की रक्षा के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। इस दौरान कार्यकताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। सिकंदर यादव ने कहा कि संविधान और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। इन अधिकारों को सुरक्षित रखने के लिए सभी को जागरूक रहना चाहिए। आंदोलन में राजनीतिक भागीदारी के साथ सिकंदर यादव ने जनसेवा की पहल भी की। उन्होंने अपने सहयोगियों और सपा कार्यकताओं के साथ मिलकर आंदोलन में शामिल होने पहुंचे लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था कराई। इस दौरान जरूरतमंद और आंदोलनकारियों को खाने के पैकेट वितरित किए गए। भोजन वितरण में कार्यकताओं ने भी सक्रिय सहयोग किया।

लोनी में कपड़े की दुकान और इलेक्ट्रिकल फैक्ट्री में लगी आग, दमकल विभाग ने समय रहते पाया काबू

संकरा रास्ता बना चुनौती, कई घंटे तक चला अग्निशमन अभियान; दोनों घटनाओं में कोई हताहत नहीं





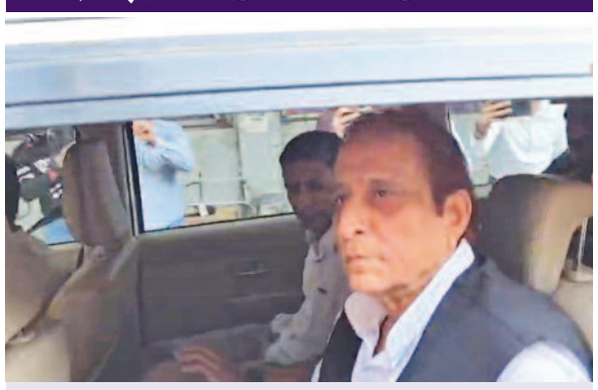


कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। लोनी क्षेत्र में शनिवार देर रात आग लगने की दो अलग-अलग घटनाओं से दमकल विभाग में अफरा-तफरी मच गई। पहली घटना लोनी मुख्य बाजार स्थित माहिरा गारमेंट्स में हुई, जहां दो मंजिला भवन के प्रथम तल पर स्थित कपड़े की दुकान में आग लग गई। सूचना पर लोनी फायर स्टेशन से दो दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दुकान तक जाने वाला रास्ता संकरा होने के कारण दमकल कर्मियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद करीब 10 हौज पाइप की मदद से आग पर काबू पाया गया। बाद में कपड़ों के बंडलों में सुलग रही आग को भी पूरी तरह बुझा दिया गया।

दमकल कर्मी इस घटना पर काबू पाने के बाद राहत कार्य में जुटे ही थे कि रात 11:56 बजे बंथला फ्लाईओवर के पास श्याम इंडस्ट्रियल एरिया स्थित विदिशा एंटरप्राइजेज फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली। फैक्ट्री में बिजली के उपकरण बनाए जाते हैं। आग भूतल और प्रथम तल तक फैल गई थी। दमकल कर्मियों ने तत्काल मोर्चा संभालते हुए आग बुझाने का अभियान शुरू किया। लोनी फायर स्टेशन की दमकल गाड़ियों की मदद से रविवार रात एक बजे तक आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। दोनों घटनाओं का संभावित कारण बिजली का शॉर्ट सर्किट बताया गया है। दोनों हादसों में कोई जनहानि नहीं हुई। अग्निशमन अभियान के दौरान स्थानीय पुलिस ने भीड़ नियंत्रित करने में दमकल कर्मियों का सहयोग किया।

गाजियाबाद की विशेष अदालत का फैसला, 14 दिन ईडी की हिरासत में रहेंगे आजम खां



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां को जौहर ट्रस्ट और जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रविवार को गाजियाबाद की विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया गया। पेशी के मद्देनजर कोर्ट परिसर और आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। इस दौरान समर्थकों और आम लोगों की भीड़ भी जुटी रही।

मामले की सुनवाई के दौरान प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आजम खां की 14 दिन की रिमांड मांगी। करीब चार घंटे तक चली सुनवाई में दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं ने अपनी दलीलें पेश कीं।

इसके बाद विशेष अदालत ने ईडी की रिमांड अर्जी स्वीकार करते हुए आजम खां को 14 दिन की रिमांड पर भेजने का आदेश दिया। मामला जौहर ट्रस्ट से जुड़े कथित वित्तीय लेनदेन और मनी लॉन्ड्रिंग की जांच से संबंधित है। रिमांड मिलने के बाद ईडी निर्धारित अवधि में मामले से जुड़े वित्तीय लेनदेन और अन्य तथ्यों की जांच आगे बढ़ा सकेगी। प्रकरण में आगे की कार्रवाई न्यायिक प्रक्रिया के तहत होगी।

महिंद्रा एन्क्लेव की जिम में युवती से छेड़छाड़, विरोध करने पर जिम संचालक पर हमला

सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद मामला गरमाया, आरोपी को थाने से छोड़ने के आरोप पर हंगामा





कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कविनगर थाना क्षेत्र के महिंद्रा एन्क्लेव स्थित एक जिम में युवती के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। पीड़िता ने मामले की शिकायत जिम संचालक से की। आरोप है कि जिम संचालक ने जब आरोपी युवक को पकड़ने का प्रयास किया तो वह मौके से भाग गया। कुछ देर बाद वह अन्य युवकों के साथ वापस आया और जिम संचालक पर हथियार की बट से हमला कर उसे घायल कर दिया।

घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने पुलिस से शिकायत की। आरोप है कि पुलिस ने आरोपी को रात में ही हिरासत में ले लिया था, लेकिन बाद में उसे थाने से छोड़ दिया गया। इसकी जानकारी मिलने पर पीड़ित पक्ष ने थाने पहुंचकर हंगामा किया।

पीड़ितों का आरोप है कि पुलिस आरोपी को दोबारा पकड़कर थाने लाई और उसे पीछे के रास्ते से लाकर बंद किया गया। मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। पीड़ित पक्ष ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं।

दिवाली पर पटाखा बिक्री के लिए 11 मैदान तय, तीन दिन ही मिलेगी अनुमति

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। दिवाली पर पटाखों की बिक्री के लिए जिले में 11 स्थान निर्धारित किए गए हैं। पुलिस ने दुकानदारों को बिक्री के लिए केवल तीन दिन का समय दिया है। इसके लिए लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया भी तय कर दी गई है। खास बात यह है कि शनिवार को ही आवेदन मांगे गए और लाइसेंस के लिए आवेदन करने का आखिरी दिन भी रहा। ऐसे में कम समय मिलने के कारण कई इच्छुक लोग आवेदन नहीं कर पाए। जमा आवेदनों और अभिलेखों की जांच दो नवंबर को होगी, जबकि तीन नवंबर को अस्थायी लाइसेंस जारी किए जाएंगे। इसके बाद पांच से सात नवंबर तक ही निर्धारित स्थानों पर पटाखों की बिक्री की जा सकेगी। पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए शहर में रामलीला मैदान घंटाघर, कविनगर रामलीला मैदान और विजय नगर सेक्टर-9 स्थित रामलीला मैदान को बिक्री के लिए चुना है। ट्रांस हिंडन क्षेत्र में इंदिरापुरम थाने के पीछे आवास विकास का मैदान, साहिबाबाद का गोल पार्क रामलीला मैदान और टीला मोड़ क्षेत्र में आक्सी होम सोसायटी के पीछे खाली मैदान निर्धारित किया गया है। वहीं, देहात क्षेत्र में अंकुर विहार थानाक्षेत्र के नगर पालिका मैदान गढ़ी कटैया, लोनी इंटर कॉलेज का मैदान, मोदीनगर का केएन मोदी मैदान, सारा रोड स्थित महर्षि इंटर कॉलेज मैदान और मुरादनगर का रामलीला मैदान बिक्री के लिए तय किया गया है।

नोएडा में CP लक्ष्मी सिंह के नेतृत्व में बड़ा एक्शन, 50 हजार का इनामी शूटर मुठभेड़ में ढेर

थाना-126 पुलिस और CRT टीम की बदमाशों से मुठभेड़, तीन पुलिसकर्मी भी घायल

कपिल चौहान

नोएडा (वेलकम इंडिया)। नोएडा में अपराधियों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस मुठभेड़ में रणदीप भाटी गैंग के 50 हजार रुपये के इनामी शूटर को मार गिराया गया। यह कार्रवाई पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के नेतृत्व में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। मुठभेड़ में थाना-126 पुलिस और CRT टीम ने बदमाशों का सामना किया। इस दौरान तीन पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। घटना के बाद पुलिस ने इलाके में सुरक्षा और सतर्कता बढ़ा दी। पुलिस की इस कार्रवाई से अपराधियों में हड़कंप मच गया है। मामले में पुलिस की ओर से आगे की कार्रवाई की जा रही है।



रणदीप भाटी गैंग का शूटर इनामी बदमाश मुठभेड़ में ढेर



एक करोड़ की स्मैक के साथ महिला समेत चार तस्कर गिरफ्तार, गैंग लीडर निकली समीना





कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। शालीमार गार्डन थाना पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार के तहत कार्रवाई करते हुए स्मैक तस्करी करने वाले गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने गिरोह की कथित सरगना समीना समेत एक महिला और तीन पुरुषों सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 969 ग्राम स्मैक बरामद हुई है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब एक करोड़ रुपये बताई गई है।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों के पास से स्मैक बिक्री के 1,74,990 रुपये नकद, पीली धातु की तीन अंगूठियां और चार मोबाइल फोन भी बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मौ. आर्यन, ईमामुद्दीन, इमरान और समीना के रूप में हुई है। बरामद स्मैक 860 पुड़ियों में रखी गई थी।

पूछताछ में सामने आया कि समीना दिल्ली से स्मैक लाकर अन्य आरोपियों को आसपास के इलाकों में बेचने के लिए देती थी। आरोपी स्मैक को छोटी-छोटी पुड़ियों में भरकर 300 से 400 रुपये प्रति पुड़िया बेचते थे। गिरफ्तारी से बचने के लिए वे किराये के मकान में रहते और एक-दो महीने में ठिकाना बदल लेते थे।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21 के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, इमरान के खिलाफ चोरी और समीना के खिलाफ दिल्ली के सीमापुरी थाने में एनडीपीएस एक्ट का मामला दर्ज है। अन्य आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है।

संयुक्त कौशांबी का दीपावली उत्सव सामाजिक सद्भाव का एक जबरदस्त उदाहरण हैं: वरुण शर्मा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कौशांबी में संयुक्त कौशांबी का द्वितीय दीपावली उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ आयोजित किया गया। इस भव्य आयोजन में कौशांबी की प्रत्येक बिल्डिंग, सभी टावरों एवं क्षेत्र के गणमान्य निवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में सिम्मी चटर्जी डांस ग्रुप द्वारा बच्चों का शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसने उपस्थित अतिथियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी बच्चों को आयोजकों की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।



उत्सव में आए अतिथियों ने स्वादिष्ट व्यंजनों का भरपूर आनंद लिया और दीपावली की खुशियां आपस में साझा कीं। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण तंबोला सहित दस मनोरंजक खेल रहे, जिनमें निवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और शानदार पुरस्कार भी जीते। पूरे आयोजन में हंसी, उमंग, संगीत और मनोरंजन का माहौल बना रहा। इस आयोजन के माध्यम से आयोजक सामाजिक कार्यकर्ता एवं भाजपा नेता वरुण शर्मा तथा सह-आयोजक डॉ. आचार्य कृति शर्मा ने कौशांबी के निवासियों के बीच आपसी प्रेम, सौहार्द, एकता और सामाजिक भाईचारे को और मजबूत करने का संदेश दिया। आयोजकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी कौशांबी निवासियों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों को जारी रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर आलोक माथुर, अशोक परवाल, सुधीश अगरवाला, संदीप गुप्ता, राकेश कुमार, ओंकार शर्मा, भूपेश पांडे, ध्रुव परवाल, अमन गुप्ता, अभय गुप्ता, हरीश महाजन, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता के सी कौशिक, शशि भूषण भारद्वाज, संजय शर्मा, दीपक अग्रवाल, अशोक महेश्वरी, गौरव जिंदल, कमल मनचंदा मनीष मिश्रा, शंभू रावत, भारत भूषण, मंजु मलिक, शिवम मित्तल, विजय शर्मा, गौरी जिंदल, मीनू अग्रवाल, चंदन अरोड़ा, बीना भारद्वाज, योगेश कक्कड़, मदन अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, नीति गौड़, मीनू गौड़, मंजू यादव, मेनका सिंह, रजनी चौधरी, सरोज वर्मा, शुची परवाल, नीतू कुमारी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे और आयोजक दल को उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।